स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्र

हकेंवि में कार्यशाला में शंकाओं का समाधान करते विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत। स्रोत: विवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कंप्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला करवाई गई। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा। देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जरूरी है कि हम सभी अपनी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें। कुलपति ने आयोजन में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को मिलेगा। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट किया। संवाद

आईआईटी रोपड़ संग काम करेगा हकेंवि

पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी रोपड़ के बीच हुआ करार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए आईआईटी रोपड़ पंजाब, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा। हकेंवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यामिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे।

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर करते संस्थाओं के प्रमुख। स्रोतः विवि

कुलपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम में दिए गए भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ भविष्य के भारत के निर्माण के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही शिक्षण संस्थानों के सामूहिक प्रयासों से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने इस प्रयास को विश्वविद्यालय स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि आज के समय में इस तरह की साझेदारी संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु आवश्यक है और अवश्य ही ये संस्थान मिलकर शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में योगदान देंगे।

हकेवि में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला

'स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्र'

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

▪ आईआईटी खड़गपुर से आए विशेषज्ञ ने हिंदी उपयोगी तकनीकी उपकरणों से कराया अवगत

हकेवि, महेंद्रगढ़ में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा। भारत विकसित राष्ट्र बनाने हेतु जरुरी है कि द्वारा दिए गए भाषाओं के बंधन से मुक्त शिक्षा व्यवस्था के विकास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें मातभाषा में शिक्षा के अवसर प्रदान भेंट कर स्वागत किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने साथ-साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य डॉ. शंकर लाल ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने दिया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपत, डॉ. समन

आईआईटी रोपड़ संग मिल कर काम करेगा हकेवि

महेंद्रगढ़। हकेवि, महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु आईआईटी, रोपड़; पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा। हकेवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर हुए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्रः प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर

कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा। भारत विकसित राष्ट्र बनाने हेतु जरुरी है कि हम सभी अपनी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें। कुलपति ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषाओं के बंधन से मुक्त शिक्षा व्यवस्था के विकास का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें मातृभाषा में शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। कौशल व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु यह नीति बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसके सफलतम क्रियान्वयन से भारत की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने आयोजन में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को मिलेगा। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ-साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य डॉ. शंकर लाल ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने दिया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. सुमन रानी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, महेंद्रगढ़ के सदस्य भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु

आईआईटी रोपड़ संग मिलकर काम करेगा हकेवि

केंद्रीय शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में हकेवि सहित पाँच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी रोपड़ के बीच हुआ करार

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु आईआईटी, रोपड़; पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा। हकेवि सहित पाँच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यामिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने कहा कि यह प्रयास एक सराहनीय पहल है और अवश्य ही इसके माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने इस मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम में दिए गए भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ भविष्य के भारत के निर्माण के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही शिक्षण संस्थानों के सामूहिक प्रयासों से भारत को विकसित

राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने इस प्रयास को विश्वविद्यालय स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि आज के समय में इस तरह की साझेदारी संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु आवश्यक है और अवश्य ही ये संस्थान मिलकर शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में योगदान देंगे।

स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्र: प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर

कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा। भारत विकसित राष्ट्र बनाने हेतु जरुरी है कि हम सभी अपनी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें। कुलपति ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषाओं के बंधन से मुक्त शिक्षा व्यवस्था के विकास का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें मातृभाषा में शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। कौशल व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु यह नीति बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसके सफलतम क्रियान्वयन से भारत की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने आयोजन में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को मिलेगा। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ-साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य डॉ. शंकर लाल ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने दिया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. सुमन रानी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, महेंद्रगढ़ के सदस्य भी उपस्थित रहे।

स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्रः प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, सहयोगीः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कंप्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डा. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा। भारत विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जरूरी है कि हम सभी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

कुलपति ने आयोजन में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता डा. राजीव रावत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को मिलेगा। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। प्रो. टंकेश्वर ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने पर जोर दिया। कार्यशाला में मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य डा. शंकर लाल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने दिया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डा. धर्मपाल पूनिया, डा. देवेंद्र सिंह राजपूत, डा. सुमन रानी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, महेंद्रगढ़ के सदस्य भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के बाद प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते विशेषज्ञ वक्ता डा. राजीव रावत ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को आइआइटी रोपड़ के साथ मिलकर काम करेगा हकेंवि

- हकेंवि सहित पांच ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर
- अध्यापन व संसाधनों के विकास में देंगे योगदान : कुलपति

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए आइआइटी, रोपड़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा।

हकेंवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आइआइटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा व कौशल विकास व उद्यामिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे। प्रो. टंकेश्वर ने बताया इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे।

अखिल भारतीय समागम में सोमवार को आइआइटी रोपड़ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रकाशक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर करार

आईआईटी रोपड़ संग काम करेगा हरियाणा केंद्रीय विवि

महेंद्रगढ़, 31 जुलाई (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए आईआईटी रोपड़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा। हकेवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के तहत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया इस समझौता ज्ञापन के तहत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने कहा कि यह प्रयास एक सराहनीय पहल है और अवश्य ही इसके माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 01 August 2023
https://epaper.dainiktribune

स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्र

■ हकेंवि में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें विशेषज्ञ वक्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा। भारत विकसित राष्ट्र बनाने हेतु जरुरी है कि हम सभी अपनी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें। कुलपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषाओं के बंधन से मुक्त शिक्षा व्यवस्था के विकास का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें मातृभाषा में शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। कौशल व विद्यार्थियों के सवांगींण विकास हेतु यह नीति बेहद महत्वपूर्ण है और इसके सफलतम क्रियान्वयन से भारत की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। डॉ. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य डॉ. शंकरलाल ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने दिया।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. सुमन रानी आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला के बाद प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत। फोटो : हरिभूमि

आईआईटी रोपड़ संग काम करेगा हकेंवि

■ केंद्रीय शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में हुआ करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए संस्थानों के प्रमुख। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु आईआईटी रोपड़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा। हकेंवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्यमंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। ज्ञापन के अंतर्गत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे। ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने कहा कि यह प्रयास एक सराहनीय पहल है।

स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्रः प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा।

भारत विकसित राष्ट्र बनाने हेतु जरूरी है कि हम सभी अपनी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें।

कुलपति ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषाओं के बंधन से मुक्त शिक्षा व्यवस्था के विकास का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें मातृभाषा में शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। कौशल व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु यह नीति बेहद महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. सुमन रानी आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला के बाद प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत।

एम.ओ.यू. साइन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए आई.आई.टी. रोपड़ संग मिलकर काम करेगा हकेंवि

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करने दौरान सभागी संस्थानों के प्रमुख।

हकेंवि सहित 5 केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आई.आई.टी. रोपड़ के बीच हुआ करार

महेंद्रगढ़, 31 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु आई.आई.टी. रोपड़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा।

हकेंवि सहित 5 केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आई.आई.टी., रोपड के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्यमंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में एम.ओ.यू. पर साइन हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत सांझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकैडमिक बैंक ऑफ क्रैडिट के साथ-साथ स्टूडैंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने कहा कि यह प्रयास एक सराहनीय पहल है और अवश्य ही इसके माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

कुलपति ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम में दिए गए भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ भविष्य के भारत के निर्माण के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही शिक्षण संस्थानों के सामूहिक प्रयासों से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

शिक्षा मंत्री ने इस प्रयास को विश्वविद्यालय स्तर पर महत्वपूर्ण बताया और कहा कि आज के समय में इस तरह की सांझेदारी संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु आवश्यक है और अवश्य ही ये संस्थान मिलकर शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में योगदान देंगे।

स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्र: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा।

भारत विकसित राष्ट्र बनाने हेतु जरूरी है कि हम सभी अपनी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें।

कुलपति ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषाओं के बंधन से मुक्त शिक्षा व्यवस्था के विकास का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें मातृभाषा में शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। कौशल व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु यह नीति बेहद महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. सुमन रानी आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला के बाद प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत।

हकेवि में पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिले हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 08 अगस्त, 2023 से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक आगामी 29 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला पोर्टल की शुरूआत पर कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत है।

दाखिला पोर्टल की शुरूआत के अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न 32 विभागों में कुल 265 पीएच.डी. की सीटों पर दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आगामी 29 अगस्त, 2023 तक चलेगी। आगामी 01 सिंतबर को प्रवेश परीक्षा से छूट प्राप्त आवेदकों की सूची जारी की जाएगी। प्रवेश परीक्षा के नतीजे 4 सिंतबर, 2023 को जारी होंगे। प्रवेश परीक्षा संपन्न होने के बाद साक्षात्कार हेतु पहली सूची 05 सितंबर, 2023 को घोषित की जाएगी। इस सूची के आधार पर आगामी 11 सिंतबर, 2023 को साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

हकेंवि में पीएचडी में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए पीएचडी में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अगस्त से शुरू हो गई है।विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदक 29 अगस्त तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला पोर्टल की शुरूआत पर कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत हैं। सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न 32 विभागों में कुल 265 पीएचडी की सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 29 अगस्त तक चलेगी। 1 सितंबर को प्रवेश परीक्षा से छूट प्राप्त आवेदकों की सूची जारी की जाएगी। प्रवेश परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर 3 सितंबर को किया जाएगा। संवाद

हकेवि में पीएचडी. कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, 29 तक रजिस्ट्रेशन

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 08 अगस्त, 2023 से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक आगामी 29 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला पोर्टल की शुरुआत पर कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन- अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत है।

दाखिला पोर्टल की शुरुआत के अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने हर्ष व्यक्त किया। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न 32 विभागों में कुल 265 पीएच.डी. की सीटों पर दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 29 अगस्त, 2023 तक चलेगी। 1 सितंबर को प्रवेश परीक्षा से छूट प्राप्त आवेदकों की सूची जारी की जाएगी।

इसी क्रम में प्रवेश परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर 3 सितंबर को किया जाएगा और प्रवेश परीक्षा के नतीजे 4 सितंबर, 2023 को जारी होंगे। प्रवेश परीक्षा संपन्न होने के बाद साक्षात्कार हेतु पहली सूची 5 सितंबर, 2023 को घोषित की जाएगी। इस सूची के आधार पर 11 सितंबर, 2023 को साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में दाखिले की पहली सूची आगामी 13 सितंबर, 2023 को जारी होगी। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि दाखिले के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in व https:// phd.cuh.ac.in से आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक व अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

हकेवि में पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू

आवेदक 29 अगस्त तक कर सकते हैं ऑनलाइन पंजीकरण

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 08 अगस्त, 2023 से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक आगामी 29 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला पोर्टल की शुरूआत पर कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत है।

दाखिला पोर्टल की शुरूआत के अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न 32 विभागों में कुल 265 पीएच.डी. की सीटों पर दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आगामी 29 अगस्त, 2023 तक चलेगी। आगामी 01 सितंबर को प्रवेश परीक्षा से छूट प्राप्त आवेदकों की सूची जारी की जाएगी। इसी क्रम में प्रवेश परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर आगामी 03 सितंबर को किया जाएगा और प्रवेश परीक्षा के नतीजे 4 सितंबर, 2023 को जारी होंगे। प्रवेश परीक्षा संपन्न होने के बाद साक्षात्कार हेतु पहली सूची 05 सितंबर, 2023 को घोषित की जाएगी। इस सूची के आधार पर आगामी 11 सितंबर, 2023 को साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। पीएच.डी पाठ्यक्रमों में दाखिले की पहली सूची आगामी 13 सितंबर, 2023 को जारी होगी। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि दाखिले के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in व https://phd.cuh.ac.in/ से आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक व अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

पीएचडी में दाखिले के लिए करें आवेदन

29 अगस्त तक विद्यार्थी दाखिले के लिए कर सकते हैं आनलाइन पंजीकरण

265 पीएचडी की सीटों पर अवेदन प्रक्रिया 29 अगस्त तक कर सकते हैं विद्यार्थी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए उपलब्ध पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदक आगामी 29 अगस्त तक आनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला पोर्टल की शुरूआत पर कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

दाखिला पोर्टल की शुरूआत के अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न 32 विभागों में कुल 265 पीएचडी की सीटों पर दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया आगामी 29 अगस्त तक चलेगी। आगामी एक सिंतबर को प्रवेश परीक्षा से छूट प्राप्त आवेदकों की सूची जारी की जाएगी। इसी क्रम में प्रवेश परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर आगामी 03 सितंबर को किया जाएगा और प्रवेश परीक्षा के नतीजे चार सिंतबर को जारी होंगे। प्रवेश परीक्षा संपन्न होने के बाद साक्षात्कार के लिए पहली सूची पांच सितंबर को घोषित की जाएगी। इस सूची के आधार पर आगामी 11 सिंतबर को साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले की पहली सूची आगामी 13 सिंतबर को जारी होगी। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि दाखिले के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in व https://phd.cuh.ac.in/ से आवेदन कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भवन • सौ. प्रवक्ता

हकेंवि में पीएचडी में दाखिले के लिए आवेदन शुरू

29 तक करें ऑनलाइन पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए उपलब्ध पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आठ अगस्त से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक 29 अगस्त तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला पोर्टल की शुरूआत पर कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत है।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो: हरिभूमि

दाखिला पोर्टल की शुरूआत के अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न 32 विभागों में कुल 265 पीएचडी की सीटों पर दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आगामी 29 अगस्त तक चलेगी। आगामी एक सितंबर को प्रवेश परीक्षा से छूट प्राप्त आवेदकों की सूची जारी की जाएगी। इसी क्रम में प्रवेश परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर आगामी तीन सितंबर को किया जाएगा और प्रवेश परीक्षा के नतीजे चार सितंबर को जारी होंगे। प्रवेश परीक्षा संपन्न होने के बाद साक्षात्कार हेतु पहली सूची पांच सितंबर को घोषित की जाएगी। इस सूची के आधार पर आगामी 11 सितंबर को साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले की पहली सूची आगामी 13 सितंबर को जारी होगी। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि दाखिले के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों के प्रमुख शिक्षक और अधिकारी इत्यादि ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

Admission to PhD programs have started at CUH

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH : The online application process for admission to the Ph.D programs available for the Academic Session 2023-24 at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, has started from August 08, 2023. Applicants can apply for admission in the programs through online mode till August 29, 2023. On the occasion of launching of Admission Portal Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University said that the University is making efforts in the direction of teaching-learning, research, innovation and skill development of the youth according to the National Education Policy. Prof. Phool Singh informed that the online application for admission to a total of 265 Ph.D seats available in 32 departments of the University will continue till August 29, 2023. The list of applicants exempted from the entrance test will be issued on coming 01st September. The entrance examination for Non-Exempted applicants will be conducted at the University level on September 03 and the results of the entrance examination will be released on September 4, 2023. The first list for interview will be declared on September 05, 2023 after the entrance test is over. On the basis of this list, the interview will be organized on 11th September, 2023. The first list for admission to Ph.D courses will be released on September 13, 2023. Prof. Phool Singh said that the candidates can apply for admission from the University website www.cuh.ac.in and https://phd.cuh.ac.in/. On this occasion Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor of the University; Prof. Sunil Kumar, Registrar; Deans of various Schools, HoDs and faculty members were present.

PROF. PHOOL SINGH INFORMED THAT THE ONLINE APPLICATION FOR ADMISSION TO A TOTAL OF 265 PH.D SEATS AVAILABLE IN 32 DEPARTMENTS OF THE UNIVERSITY WILL CONTINUE TILL AUGUST 29, 2023. THE LIST OF APPLICANTS EXEMPTED FROM THE ENTRANCE TEST WILL BE ISSUED ON COMING 01ST SEPTEMBER

हकेवि में पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू

•आवेदक 29 तक कर सकते हैं ऑनलाइन पंजीकरण

महेंद्रगढ़, 8 अगस्त (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अगस्त से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक आगामी 29 अगस्त तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला पोर्टल की शुरूआत पर कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास की दिशा में प्रयासरत है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

दाखिला पोर्टल की शुरूआत के अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न 32 विभागों में कुल 265 पीएच.डी. की सीटों पर दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आगामी 29 अगस्त तक चलेगी। आगामी 1 सितम्बर को प्रवेश परीक्षा से छूट प्राप्त आवेदकों की सूची जारी की जाएगी।

इसी क्रम में प्रवेश परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर आगामी 3 सितम्बर को किया जाएगा और प्रवेश परीक्षा के नतीजे 4 दिसम्बर को जारी होंगे। प्रवेश परीक्षा संपन्न होने के बाद साक्षात्कार हेतु पहली सूची 5 सितम्बर को घोषित की जाएगी।

इस सूची के आधार पर आगामी 11 दिसम्बर को साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। पीएच.डी पाठ्यक्रमों में दाखिले की पहली सूची आगामी 13 सितम्बर को जारी होगी। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि दाखिले के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वैबसाइट www.cuh.ac.in व https://phd.cuh.ac.in/ से आवेदन कर सकते हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक व अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

हकेवि के प्रोफेसर ने प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में दिया व्याख्यान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ अध्ययन,अध्यापन व शोध के मोर्चे पर निरंतर देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे ही एक अवसर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के अवसरों को उपयोगी शोध व अध्यापन के स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय को अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलता है। प्रो. आकाश सक्सेना बताया कि ये व्याख्यान प्रमुख रूप से दो विषयों पर केंद्रित रहे। इन विषयों में शैक्षणिक प्रकाशन हेतु प्रकाशन प्लेटफॉर्म के चयन और एनर्जी प्राइस फोरकास्टिंग शामिल रहे। उन्होंने बताया कि यह व्याख्यान प्रमुख रूप से ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। आयोजन के दौरान आयोजक विश्वविद्यालय के डायरेटर जनरल प्रो. कविराज एस सुकोन ने प्रो. आकाश सक्सेना का स्वागत किया और उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह व्याख्यान अवश्य ही प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

प्रोफेसर ने मॉरीशस में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ अध्ययन, अध्यापन व शोध के मोर्चे पर निरंतर देश-बिदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे ही एक अवसर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. आकाश सक्सेना ने ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के अवसरों को उपयोगी शोध व अध्यापन के स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया। प्रो. आकाश सक्सेना बताया कि ये व्याख्यान प्रमुख रूप से दो विषयों पर केंद्रित रहे। इन विषयों में शैक्षणिक प्रकाशन हेतु प्रकाशन प्लेटफॉर्म के चयन और एनर्जी प्राइस फोरकास्टिंग शामिल रहे। उन्होंने बताया कि यह व्याख्यान प्रमुख रूप से ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। आयोजन के दौरान आयोजक विश्वविद्यालय के निदेशक जनरल प्रो. कविराज एस सुकोन ने प्रो. आकाश सक्सेना का स्वागत किया और उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह व्याख्यान अवश्य ही प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा। संवाद

हकेवि के प्रोफेसर ने प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में दिया व्याख्यान

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ अध्ययन, अध्यापन व शोध के मोर्चे पर निरंतर देश- विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे ही एक अवसर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के अवसरों को उपयोगी शोध व अध्यापन के स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय को अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलता है।

प्रो. आकाश सक्सेना बताया कि ये व्याख्यान प्रमुख रूप से दो विषयों पर केंद्रित रहे। इन विषयों में शैक्षणिक प्रकाशन हेतु प्रकाशन प्लेटफॉर्म के चयन और एनर्जी प्राइस फोर कास्टिंग शामिल रहे। उन्होंने बताया कि यह व्याख्यान प्रमुख रूप से ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। आयोजन के दौरान आयोजक विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल प्रो. कविराज एस सुकोन ने प्रो. आकाश सक्सेना का स्वागत किया और उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह व्याख्यान अवश्य ही प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

हकेवि के प्रोफेसर ने प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में दिया व्याख्यान

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ अध्ययन,अध्यापन व शोध के मोर्चे पर निरंतर देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे ही एक अवसर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के अवसरों को उपयोगी शोध व अध्यापन के स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय को अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलता है।

प्रो. आकाश सक्सेना बताया कि ये व्याख्यान प्रमुख रूप से दो विषयों पर केंद्रित रहे। इन विषयों में शैक्षणिक प्रकाशन हेतु प्रकाशन प्लेटफॉर्म के चयन और एनर्जी प्राइस फोरकास्टिंग शामिल रहे। उन्होंने बताया कि यह व्याख्यान प्रमुख रूप से ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। आयोजन के दौरान आयोजक विश्वविद्यालय के डायरेटर जनरल प्रो. कविराज एस सुकोन ने प्रो. आकाश सक्सेना का स्वागत किया और उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह व्याख्यान अवश्य ही प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

मारिशस में विश्व हिंदी सम्मेलन में लिया भाग, हकेंवि के प्रोफेसर ने दिया व्याख्यान

जागरण संवाददाता, नारनौल : अंतरराष्ट्रीय विश्व हिंदी सम्मलेन का आयोजन आइपी इंटरनेशनल फाउंडेशन एवं विश्व हिंदी सचिवालय मारिशस के तत्वावधान में मारिशस में किया गया। इसमें भारत, ओमान, कनाडा, जार्डन व मारिशस सहित अनेक देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं हिंदी भाषा में अपनी प्रस्तुतियां दी।

सम्मेलन में हिंदी के प्रचार प्रसार में संलग्न इन्द्रप्रस्थ लिटरेचर फेस्टिवल प्रदेशाध्यक्ष नारनौल की रहने वाली डा. कृष्णा आर्या एवं दक्षिणी हरियाणा सांस्कृतिक मंच के उपाध्यक्ष वासुदेव यादव को उनकी साहित्यिक एवं लोक सांस्कृतिक सेवाओं एवं उपलब्धियों के लिए विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव डा. माधुरी रामधारी, मारिशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रुपण एवं महासचिव शुभंकर मिश्र ने सम्मान पत्र प्रदान किया, वहीं आइपी इंटरनेशनल फाउंडेशन अध्यक्ष स्मिता मिश्रा एवं आचार्य इंदु प्रकाश ने राष्ट्र गौरव सहित्यिक सम्मान से विभूषित किया। इस अवसर पर विश्व हिंदी सचिवालय से शुभंकर मिश्र व वरिष्ठ साहित्यकार सविता चड्ढा, मुकेश गंभीर, चंद्रमनीसिंह, आचार्य इंदु प्रकाश, एसके सिंह, राजपाल यादव, शारदा मित्तल, प्रीती मिश्रा, सौम्या मिश्र, उमंग सरीन सहित भारत के 18 राज्यों से प्रतिनिधि उपस्थित रहे और सभी ने उत्कृष्ट काव्य प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में सौम्या मिश्र के निर्देशन में हिंदी भाषा में सरस्वती वंदना, लोकगीत, नाट्यगीत, नुक्कड़ नाटक, एकल गीत, देशभक्ति गीत, एवं स्वरचित कविताएं पढ़ी । इनमें भाग लेकर प्रतिभा की धनी डा. कृष्णा आर्या ने अपने राज्य की लोक सांस्कृतिक विरासत की अमिट छाप छोड़ी ।

मारिशस में नारनौल की रहने वाली डा. कृष्णा आर्या को सम्मानित करते हुए• सौ. प्रवक्ता

मारिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान देते प्रो . आकाश सक्सेना। • सौ. प्रवक्ता

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ अध्ययन, अध्यापन व शोध के मोर्चे पर निरंतर देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ सझेदारी की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे ही एक अवसर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने ओपन यूनिवर्सिटी आफ मारिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के अवसरों को उपयोगी शोध व अध्यापन के स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय को अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलता है। प्रो. आकाश सक्सेना बताया ने कि ये व्याख्यान प्रमुख रूप से दो विषयों पर केंद्रित रहे। इन विषयों में शैक्षणिक प्रकाशन के लिए प्रकाशन प्लेटफार्म के चयन और एनर्जी प्राइस फोरकास्टिंग शामिल रहे। यह व्याख्यान प्रमुख रूप से ओपन यूनिवर्सिटी आफ मारिशस के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। आयोजन के दौरान आयोजक विश्वविद्यालय के डायरेटर जनरल प्रो. कविराज एस सुकोन ने प्रो. आकाश सक्सेना का स्वागत किया और उनके योगदान का उल्लेख करते हुए, कहा कि यह व्याख्यान अवश्य ही प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

महेंद्रगढ़। मॉरिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान देते प्रो. आकाश सक्सेना। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि के प्रो. ने प्रतिष्ठित विवि में दिया व्याख्यान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन व शोध के मोर्चे पर निरंतर देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे ही एक अवसर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. आकाश सक्सेना ने ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के अवसरों को उपयोगी शोध व अध्यापन के स्तर पर महत्वपूर्ण बताया। प्रो. आकाश सक्सेना बताया कि ये व्याख्यान प्रमुख रूप से दो विषयों पर केंद्रित रहे। इन विषयों में शैक्षणिक प्रकाशन हेतु प्रकाशन प्लेटफॉर्म के चयन और एनर्जी प्राइस फोरकास्टिंग शामिल रहे। व्याख्यान प्रमुख रूप से ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था।

EXPERT LECTURE DELIVERED BY CUH FACULTY IN THE OPEN UNIVERSITY OF MAURITIUS

MAHENDERGARH :In Oder to realize the academic outreach, Professor Akash Saxena, recently visited the Open University of Mauritius | Réduit, Mauritius to deliver a series of insightful expert lectures. The lectures were organized to provide valuable insights to the academic community and students on two crucial subjects: "Choosing Publication Platform for Academic Publishing" and "Energy Price Forecasting." Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor said that this outreach activity will embark a journey to effective research collaboration with Open University of Mauritius and fostered knowledge exchange between both institutions. The sessions were well-received by both faculty members and students, who greatly appreciated Professor Saxena's in-depth knowledge and engaging presentation style.

हकेंवि के प्रोफैसर ने मॉरिशस में दिया व्याख्यान

महेंद्रगढ़, 9 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ अध्ययन, अध्यापन व शोध के मोर्चे पर निरंतर देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ सांझेदारी की दिशा में प्रयासरत है।

ऐसे ही एक अवसर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफैसर आकाश सक्सेना ने ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के अवसरों को उपयोगी शोध व अध्यापन के स्तर पर महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय को अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलता है।

मॉरिशस में विशेषज्ञ व्याख्यान देते प्रो. आकाश सक्सेना।

प्रो. आकाश सक्सेना बताया कि ये व्याख्यान प्रमुख रूप से 2 विषयों पर केंद्रित रहे। इन विषयों में शैक्षणिक प्रकाशन हेतु प्रकाशन प्लेटफॉर्म के चयन और एनर्जी प्राइस फोरकास्टिंग शामिल रहे। उन्होंने बताया कि यह व्याख्यान प्रमुख रूप से ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था।

आयोजन के दौरान आयोजक विश्वविद्यालय के डायरैक्टर जनरल प्रो. कविराज एस. सुकोन ने प्रो. आकाश सक्सेना का स्वागत किया और उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह व्याख्यान अवश्य ही प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

विज्ञान के विकास में डॉ. एसएस भटनागर का योगदान अविस्मरणीय: प्रो. सुषमा यादव

■ हकेवि में विज्ञान भारती द्वारा डॉ. एस.एस. भटनागर के जन्म दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पद्म-विभूषण डॉ. एस.एस. भटनागर के जन्म दिवस के अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा के द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान के विकास में डॉ. एस.एस. भटनागर की भूमिका विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में विशेषज्ञ के रूप में बीएलजेएस कॉलेज, तोशाम के प्राचार्य डॉ. राकेश भारद्वाज उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान भारती के द्वारा निरंतर आधुनिक विज्ञान व परम्परागत भारतीय विज्ञान के बीच संबंध स्थापित करने के लिए जारी प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में सदैव डॉ. एस.एस. भटनागर का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राकेश भरद्वाज का स्वागत करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय स्तर पर विज्ञान के विकास, अनुसंधान व नवाचार के अवसर विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश में विज्ञान के प्रति समझ विकसित करने व विज्ञान के विकास का माहौल तैयार करने में डाक्टर भटनागर ने उल्लेखनीय योगदान दिया। प्रो. यादव ने अपने संबोधन में विज्ञान से इतर डॉ. भटनागर की अन्य उपलब्धियों जिनमें कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलगीत के निर्माण में योगदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रथम अध्यक्ष नियुक्त होने का उल्लेख विशेष रूप से किया। उन्होंने देश में प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं के विकास में डॉ. भटनागर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी युवा वैज्ञानिकों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर विज्ञान के विकास हेतु प्रयास करने चाहिए। इससे पूर्व में विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष व विश्वविद्यालय में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विज्ञान भारती के उद्देश्यों और उसके द्वारा निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच सीधे संबंध स्थापित करने हेतु जारी प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विज्ञान भारती स्वदेशी भावना के साथ मॉडर्न व परंपरागत विज्ञान के साथ नई तकनीक के विकास व आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की दिशा में प्रयासरत है। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र व उद्यमिता विकास की दिशा में नए प्रयासों की शुरूआत का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राकेश भारद्वाज ने विज्ञान के विकास में डॉ. भटनागर के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से उन्होंने अपने जीवन में तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए विज्ञान के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। डॉ. भारद्वाज ने डॉ. एस.एस. भटनागर के बाल्यकाल से लेकर उनके जीवन पर्यंत तक जारी उल्लेखनीय प्रयासों के विषय में विस्तार से जानकारी दी और उनके द्वारा किए गए विज्ञान के विकास संबंधी कार्यों पर भी प्रकाश डाला। फिर वह चाहे उनका स्कूली जीवन रहा हो या फिर उनके द्वारा उच्च शिक्षा के दौरान किए गए कार्य रहे हों। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। मुख्य अतिथि का परिचय सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार ने दिया जबकि विशेषज्ञ वक्ता का परिचय विज्ञान भारती के सदस्य व विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. पवन कुमार ने दिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन गणित विभाग की शोधार्थी पारुल पूनिया ने किया। आयोजन के अंत में विज्ञान भारती महेंद्रगढ़ जिले के संयोजक प्रो. विनोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर परमाणु खनिज संस्थान, भारत सरकार के पूर्व अतिरिक्त निदेशक व विज्ञान भारती महेंद्रगढ़ के जिला समन्वयक डॉ. ओ.पी. यादव, विश्वविद्यालय में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. कांति प्रकाश सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

विज्ञान में डॉ. भटनागर का योगदान अविस्मरणीय

समकुलपति बोलीं- देश में विज्ञान के प्रति समझ विकसित करने व विज्ञान के विकास का माहौल तैयार करने में योगदान दिया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पद्मविभूषण डॉ. एसएस भटनागर के जन्मदिवस पर विज्ञान भारती हरियाणा के द्वारा संस्कृति मंत्रालय, केंद्र सरकार की ओर से प्रायोजित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान के विकास में डॉ. एसएस भटनागर की भूमिका विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में विशेषज्ञ के रूप में बीएलजेएस कॉलेज, तोशाम के प्राचार्य डॉ. राकेश भारद्वाज उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं। उन्होंने विज्ञान भारती के द्वारा निरंतर आधुनिक विज्ञान व परंपरागत भारतीय विज्ञान के बीच संबंध स्थापित करने के लिए जारी प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में सदैव डॉ. एसएस भटनागर का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि देश में विज्ञान के प्रति समझ विकसित करने व विज्ञान के विकास का माहौल तैयार करने में डॉ. भटनागर ने उल्लेखनीय योगदान दिया। प्रो. यादव ने अपने संबोधन में विज्ञान से इतर डॉ. भटनागर की अन्य उपलब्धियों जिनमें कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलगीत के निर्माण में योगदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रथम अध्यक्ष नियुक्त होने का उल्लेख विशेष रूप से किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राकेश भारद्वाज का स्वागत करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। स्रोत : वीवि

हकेंवि में डॉ. एसएस भटनागर के जन्मदिवस पर किया व्याख्यान

विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि किस तरह से विज्ञान भारती स्वदेशी भावना के साथ मॉडर्न व परंपरागत विज्ञान के साथ नई तकनीक के विकास व आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की दिशा में प्रयासरत है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राकेश भारद्वाज ने विज्ञान के विकास में डॉ. भटनागर के योगदान पर प्रकाश डाला। डॉ. भारद्वाज ने डॉ. एसएस भटनागर के बाल्यकाल से लेकर उनके जीवन पर्यंत तक जारी उल्लेखनीय प्रयासों के विषय में जानकारी दी। विशेषज्ञ वक्ता का परिचय विज्ञान भारती के सदस्य व विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. पवन कुमार ने दिया। मंच का संचालन गणित विभाग की शोधार्थी पारुल पूनिया ने किया।

विज्ञान भारती महेंद्रगढ़ जिले के संयोजक प्रो. विनोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर परमाणु खनिज संस्थान, भारत सरकार के पूर्व अतिरिक्त निदेशक व विज्ञान भारती महेंद्रगढ़ के जिला समन्वयक डॉ. ओपी यादव, विश्वविद्यालय में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. कांति प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

डॉ. संगीता यादव को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर राजबीर सिंह। स्रोत : स्वयं

केंद्र सरकार ने डॉ. संगीता को प्रदान किया पेटेंट

नारनौल। ग्रामीण पृष्ठभूमि में जन्मी गांव नांगलिया मित्रपुरा निवासी डॉ. संगीता यादव को उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए केंद्र सरकार ने पेटेंट प्रदान किया है। इस उपलब्धि के लिए महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक की शोध छात्रा रही व वर्तमान में चौधरी रणबीर सिंह स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी झज्जर में कार्यरत डॉ. संगीता यादव को कुलपति प्रोफेसर राजबीर सिंह द्वारा प्रमाण पात्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनका यह शोध कार्य एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रीति गुलिया व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नसीब सिंह गिल के निर्देशन में किया दिया। कुलपति प्रोफेसर राजबीर सिंह ने डॉ. संगीता के पिता पूर्व प्रवक्ता दारा सिंह यादव और माता कृष्णा यादव महिला एवं बाल विकास अधिकारी नारनौल (ग्रामीण) को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को इस उपलब्धि पर गर्व है। डॉ. संगीता स्मार्ट वीडियो कम्प्रेशन सिस्टम पर शोध किया है, जिसके माध्यम से किसी भी वारदात के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से संदिग्ध की चंद मिनटों में पहचान हो जाएगी। उनके पिता दारा सिंह यादव बताया कि संगीता शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है। उसने अपनी स्कूली शिक्षा सरस्वती स्कूल नसीबपुर से की। उसके उपरांत दीनबंधू छोटू राम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मुरथल से बीटेक कंप्यूटर साइंस से की। तदोपरांत वहीं से गेट स्कॉलरशिप द्वारा एमटेक कंप्यूटर साइंस की डिग्री हासिल की। इसके अलावा यूजीसी नेट भी क्वालीफाई किया। संवाद

विज्ञान के विकास में डा. एसएस भटनागर का योगदान अविस्मरणीय : प्रो. सुषमा यादव

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में पद्म-विभूषण डा. एसएस भटनागर के जन्मदिन पर विज्ञान भारती हरियाणा के द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान के विकास में डा. एसएस भटनागर की भूमिका विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में विशेषज्ञ के रूप में बीएलजेएस कालेज, तोशाम के प्राचार्य डा. राकेश भारद्वाज उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान भारती के द्वारा निरंतर आधुनिक विज्ञान व परंपरागत भारतीय विज्ञान के बीच संबंध स्थापित करने के लिए जारी प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में सदैव डा. एसएस भटनागर का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

हकेंवी के कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डा. राकेश का स्वागत करतीं प्रो. सुनीता • सौ. प्रवक्त

प्रो. सुषमा यादव ने संबोधन में विवि स्तर पर विज्ञान के विकास, अनुसंधान व नवाचार के अवसर विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। हम सभी युवा वैज्ञानिकों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर विज्ञान के विकास हेतु प्रयास करने चाहिए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विज्ञान भारती के उद्देश्यों व उसके द्वारा निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच सीधे संबंध स्थापित करने हेतु जारी प्रयासों का उल्लेख किया।

विज्ञान के विकास में डॉ. एसएस भटनागर का योगदान अविस्मरणीय : प्रो. सुषमा यादव

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पद्म-विभूषण डॉ. एस.एस. भटनागर के जन्म दिवस के अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा के द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान के विकास में डॉ. एस.एस. भटनागर की भूमिका विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में विशेषज्ञ के रूप में बीएलजेएस कॉलेज, तोशाम के प्राचार्य डॉ. राकेश भारद्वाज उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान भारती के द्वारा निरंतर आधुनिक विज्ञान व परम्परागत भारतीय विज्ञान के बीच संबंध स्थापित करने के लिए जारी प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में सदैव डॉ. एस.एस. भटनागर का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय स्तर पर विज्ञान के विकास, अनुसंधान व नवाचार के अवसर विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश में विज्ञान के प्रति समझ विकसित करने व विज्ञान के विकास का माहौल तैयार करने में डाक्टर भटनागर ने उल्लेखनीय योगदान दिया। प्रो. यादव ने अपने संबोधन में विज्ञान से इतर डॉ. भटनागर की अन्य उपलब्धियों जिनमें कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलगीत के निर्माण में योगदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रथम अध्यक्ष नियुक्त होने का उल्लेख विशेष रूप से किया। उन्होंने देश में प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं के विकास में डॉ. भटनागर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी युवा वैज्ञानिकों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर विज्ञान के विकास हेतु प्रयास करने चाहिए।

इससे पूर्व में विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष व विश्वविद्यालय में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विज्ञान भारती के उद्देश्यों और उसके द्वारा निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच सीधे संबंध स्थापित करने हेतु जारी प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विज्ञान भारती स्वदेशी भावना के साथ मॉडर्न व परंपरागत विज्ञान के साथ नई तकनीक के विकास व आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की दिशा में प्रयासरत है। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र व उद्यमिता विकास की दिशा में नए प्रयासों की शुरुआत का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राकेश भारद्वाज ने विज्ञान के विकास में डॉ. भटनागर के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से उन्होंने अपने जीवन में तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए विज्ञान के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। डॉ. भारद्वाज ने डॉ. एस.एस. भटनागर के बाल्यकाल से लेकर उनके जीवन पर्यंत तक जारी उल्लेखनीय प्रयासों के विषय में विस्तार से जानकारी दी और उनके द्वारा किए गए विज्ञान के विकास संबंधी कार्यों पर भी प्रकाश डाला। फिर वह चाहे उनका स्कूली जीवन रहा हो या फिर उनके द्वारा उच्च शिक्षा के दौरान किए गए कार्य रहे हों। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। मुख्य अतिथि का परिचय सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार ने दिया जबकि विशेषज्ञ वक्ता का परिचय विज्ञान भारती के सदस्य व विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. पवन कुमार ने दिया। कार्यक्रम में मंच का संचालन गणित विभाग की शोधार्थी पारुल पुनिया ने किया।

आयोजन के अंत में विज्ञान भारती महेंद्रगढ़ जिले के संयोजक प्रो. विनोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर परमाणु खनिज संस्थान, भारत सरकार के पूर्व अतिरिक्त निदेशक व विज्ञान भारती महेंद्रगढ़ के जिला समन्वयक डॉ. ओ.पी. यादव, विश्वविद्यालय में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. कांति प्रकाश सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Lecture organized on Birth Anniversary of Dr. S. S. Bhatnagar in CUH

Deepti
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: On the occasion of Padma-Vibhushan Dr. S.S. Bhatnagar's birthday, an expert lecture was organized by Vigyan Bharti Haryana sponsored by Ministry of Culture, Govt. of India. Dr. Rakesh Bhardwaj, Principal of BLJS College, Tosham, was present as an expert in this lecture focused on the role of Dr. S. S. Bhatnagar in the development of science. Pro-Vice Chancellor of the University Prof. Sushma Yadava was present as the Chief Guest in this program organised under the patronage of the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar. In her address, she mentioned the ongoing efforts by Vigyan Bharti to establish a connection between modern science and traditional Indian science and said that Dr. S.S. Bhatnagar's contribution will be unforgettable. Prof. Sushma Yadava in her address expressed her gratitude to the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar for building opportunities for development, research and innovation of science at the University level. She said that Dr. Bhatnagar made a remarkable contribution in developing the understanding of science in the country and in creating an environment for the development of science. Prof. Yadav specifically mentioned Dr. Bhatnagar's other achievements other than science, including his contribution to the creation of Kulgeet of Banaras Hindu University and being appointed as the first chairman of the University Grants Commission. Mentioning the contribution of Dr. Bhatnagar in the development of prestigious laboratories in the country, she said that all our young scientists should take inspiration from his life and try for the development of science. Prior to this, Vice President of Vigyan Bharti Haryana and Head of the Department of Physics and Astrophysics in the University, Prof. Sunita Srivastava in her welcome address mentioned the objectives of Vigyan Bharati and its continuous efforts to establish a direct link between the Indian knowledge tradition and modern science. She told how Vigyan Bharti is striving towards development of new technology and modern scientific researches along with modern and traditional science with indigenous spirit. Prof. Sunita Srivastava also mentioned the beginning of new efforts in the direction of training center and entrepreneurship development at the University level.

विज्ञान के विकास में डॉ. एस.एस. भटनागर का योगदान अविस्मरणीय- प्रो. सुषमा यादव

खोजी/मनोज गोयल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पद्म-विभूषण डॉ. एस.एस. भटनागर के जन्म दिवस के अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा के द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान के विकास में डॉ. एस.एस. भटनागर की भूमिका विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में विशेषज्ञ के रूप में बीएलजेएस कॉलेज, तोशाम के प्राचार्य डॉ. राकेश भारद्वाज उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान भारती के द्वारा निरंतर आधुनिक विज्ञान व परम्परागत भारतीय विज्ञान के बीच संबंध स्थापित करने के लिए जारी प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में सदैव डॉ. एस.एस. भटनागर का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय स्तर पर विज्ञान के विकास, अनुसंधान व नवाचार के अवसर विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश में विज्ञान के प्रति समझ विकसित करने व विज्ञान के विकास का माहौल तैयार करने में डाक्टर भटनागर ने उल्लेखनीय योगदान दिया। प्रो. यादव ने अपने संबोधन में विज्ञान से इतर डॉ. भटनागर की अन्य उपलब्धियों जिनमें कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलगीत के निर्माण में योगदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रथम अध्यक्ष नियुक्त होने का उल्लेख विशेष रूप से किया। उन्होंने देश में प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं के विकास में डॉ. भटनागर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी युवा वैज्ञानिकों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर विज्ञान के विकास हेतु प्रयास करने चाहिए। इससे पूर्व में विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष व विश्वविद्यालय में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विज्ञान भारती के उद्देश्यों और उसके द्वारा निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच सीधे संबंध स्थापित करने हेतु जारी प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विज्ञान भारती स्वदेशी भावना के साथ मॉडर्न व परंपरागत विज्ञान के साथ नई तकनीक के विकास व आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की दिशा में प्रयासरत है। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र व उद्यमिता विकास की दिशा में नए प्रयासों की शुरुआत का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राकेश भारद्वाज ने विज्ञान के विकास में डॉ. भटनागर के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से उन्होंने अपने जीवन में तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए विज्ञान के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। डॉ. भारद्वाज ने डॉ. एस.एस. भटनागर के बाल्यकाल से लेकर उनके जीवन पर्यंत तक जारी उल्लेखनीय प्रयासों के विषय में विस्तार से जानकारी दी और उनके द्वारा किए गए विज्ञान के विकास संबंधी कार्यों पर भी प्रकाश डाला।

ज्ञान के विकास में डॉ. एस.एस. भटनागर का योगदान अविस्मरणीय: प्रो. सुषमा यादव

हकेंवि में डॉ. एस.एस. भटनागर के जन्मदिवस पर व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 10 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पद्म-विभूषण डॉ. एस.एस. भटनागर के जन्मदिवस के अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विज्ञान के विकास में डॉ. एस.एस. भटनागर की भूमिका विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में विशेषज्ञ के रूप में बी.एल.जे.एस. कॉलेज, तोशाम के प्राचार्य डॉ. राकेश भारद्वाज उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान भारती द्वारा निरंतर आधुनिक विज्ञान व परम्परागत भारतीय विज्ञान के बीच संबंध स्थापित करने के लिए जारी प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में सदैव डॉ. एस.एस. भटनागर का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राकेश भारद्वाज का स्वागत करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय स्तर पर विज्ञान के विकास, अनुसंधान व नवाचार के अवसर विकसित करने हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश में विज्ञान के प्रति समझ विकसित करने व विज्ञान के विकास का माहौल तैयार करने में डाक्टर भटनागर ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

प्रो. यादव ने अपने संबोधन में विज्ञान से इतर डॉ. भटनागर की अन्य उपलब्धियों जिनमें कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलगीत के निर्माण में योगदान और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रथम अध्यक्ष नियुक्त होने का उल्लेख विशेष रूप से किया।

युवा वैज्ञानिकों को डॉ. भटनागर के जीवन से प्रेरणा लेकर विज्ञान के विकास के लिए प्रयास करने चाहिए

उन्होंने देश में प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं के विकास में डॉ. भटनागर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी युवा वैज्ञानिकों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर विज्ञान के विकास हेतु प्रयास करने चाहिए।

इससे पूर्व में विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष व विश्वविद्यालय में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विज्ञान भारती के उद्देश्यों और उसके द्वारा निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच सीधे संबंध स्थापित करने हेतु जारी प्रयासों का उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि किस तरह से विज्ञान भारती स्वदेशी भावना के साथ मॉडर्न व परंपरागत विज्ञान के साथ नई तकनीक के विकास व आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की दिशा में प्रयासरत है। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र व उद्यमिता विकास की दिशा में नए प्रयासों की शुरूआत का भी उल्लेख किया।

इस अवसर पर परमाणु खनिज संस्थान, भारत सरकार के पूर्व अतिरिक्त निदेशक व विज्ञान भारती महेंद्रगढ़ के जिला समन्वयक डॉ. ओ.पी. यादव, विश्वविद्यालय में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. कांति प्रकाश सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलिया में एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज के सदस्यों से हकेवि कुलपति ने की मुलाकात

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में ऑस्ट्रेलिया में हरियाणा के नागरिकों के संगठन एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया से भी मुलाकात की। यह संगठन ऑस्ट्रेलिया में बसे हरियाणा के लोगों को जोड़ने और हरियाणा की परंपराओं, संस्कृति को सजोते हुए हरियाणा के त्यौहारों को मनाती है। हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार 20 सदस्यीय दल के साथ ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न, ब्रिस्बेन और सिडनी विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया के सदस्यों ने कुलपति से मुलाकात के दौरान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। सिडनी में प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार तकनीकी संस्थान टीएएफई और यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न सिडनी में भी गए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेवा सिंह ने कुलपति से बातचीत की, कि किस तरह से संगठन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर हरियाणा के युवाओं को हरियाणा में प्राइवेट ट्यूशन सेंटर की तरह टेक्निकल ट्रेनिंग दे सकता है। इससे युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और स्वावलंबन में सहायता मिलेगी।

एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया में मिले हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में ऑस्ट्रेलिया में हरियाणा के नागरिकों के संगठन एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया से भी मुलाकात की। यह संगठन ऑस्ट्रेलिया में बसे हरियाणा के लोगों को जोड़ने का काम करती है।

एसोसिएशन आफ हरियाणवीज इन आस्ट्रेलिया के सदस्यों से मिले कुलपति

एसोसिएशन आफ हरियाणवीज इन आस्ट्रेलिया के सदस्यों से मुलाकात करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान एसोसिएशन आफ हरियाणवीज इन आस्ट्रेलिया के सदस्यों से भी मुलाकात की। यह संगठन आस्ट्रेलिया में बसे हरियाणा के लोगों को जोड़ने और हरियाणा की परंपराओं, संस्कृति को संजोते हुए हरियाणा के त्योहारों को मनाता है।

हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार 20 सदस्यीय दल के साथ आस्ट्रेलिया के मेलबर्न, ब्रिस्बेन और सिडनी विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे हैं। एसोसिएशन आफ हरियाणवीज इन आस्ट्रेलिया के सदस्यों ने कुलपति से मुलाकात के दौरान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

सिडनी में प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार तकनीकी संस्थान टीएएफई और यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न सिडनी में भी गए।

इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेवा सिंह ने कुलपति से बातचीत की, कि किस तरह से संगठन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर हरियाणा के युवाओं को हरियाणा में प्राइवेट ट्यूशन सेंटर की तरह टेक्निकल ट्रेनिंग दे सकता है।

इससे युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और स्वावलंबन में सहायता मिलेगी।

एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज से मिले हकेंवि के वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में ऑस्ट्रेलिया में हरियाणा के नागरिकों के संगठन एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया से भी मुलाकात की। संगठन ऑस्ट्रेलिया में बसे हरियाणा के लोगों को जोड़ने व हरियाणवीं परंपराओं, संस्कृति को सजोते हुए हरियाणा के त्यौहारों को मनाती है।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार 20 सदस्यीय दल के साथ ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न, ब्रिस्बेन और सिडनी विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया के सदस्यों ने कुलपति से मुलाकात के दौरान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। सिडनी में प्रो. टंकेश्वर कुमार तकनीकी संस्थान टीएएफई और यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न सिडनी में भी गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष सेवा सिंह ने वीसी से बातचीत में कहा कि संगठन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर हरियाणा के युवाओं को हरियाणा में प्राइवेट ट्यूशन सेंटर की तरह टेक्निकल ट्रेनिंग दे सकता है। इससे युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और स्वावलंबन में सहायता मिलेगी।

महेंद्रगढ़। एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया के सदस्यों से मिलते हुए।

■ हरियाणा में युवाओं ट्यूशन सेंटर की तरह मिलजे टेक्निकल ट्रेनिंग

पंजाब केसरी
SUN, 13 AUGUST 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 3

एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया से प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की मुलाकात

एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया के सदस्यों से मुलाकात करते प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 12 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में ऑस्ट्रेलिया में हरियाणा के नागरिकों के संगठन एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया से भी मुलाकात की। यह संगठन ऑस्ट्रेलिया में बसे हरियाणा के लोगों को जोड़ने और हरियाणा की परंपराओं, संस्कृति को सजोते हुए हरियाणा के त्यौहारों को मनाती है।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार 20 सदस्यीय दल के साथ ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न, ब्रिस्बेन और सिडनी विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया के सदस्यों ने कुलपति से मुलाकात के दौरान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

सिडनी में प्रो. टंकेश्वर कुमार तकनीकी संस्थान टी.ए.एफ.ई. और यूनिवर्सिटी ऑफ वैस्टर्न सिडनी में भी गए।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेवा सिंह ने कुलपति से बातचीत की कि किस तरह से संगठन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर हरियाणा के युवाओं को हरियाणा में प्राइवेट ट्यूशन सैंटर की तरह टैक्निकल ट्रेनिंग दे सकता है। इससे युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और स्वावलंबन में सहायता मिलेगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला नैक ए ग्रेड,कुलपति व समकुलपति ने दी बधाई

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नैक ह्यएह्य ग्रेड प्राप्त किया है। मूल्यांकन के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा हकेवि को ह्यएह्य ग्रेड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों के साझा प्रयासों से ही विश्वविद्यालय यह उपलब्धि हासिल कर पाया है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड मिलना इस बात का परिचायक है कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार के साथ सामाजिक सरोकारो के मोर्चे पर भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय को ए ग्रेड प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नैक से ए ग्रेड प्राप्त करना हकेवि के लिए बेहद गर्व की बात है। विश्वविद्यालय के लिए यह मील का पत्थर शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों और अभिभावकों सहित विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की कड़ी मेहनत और अथक प्रयास को दशार्ता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने हासिल किया नैक ए ग्रेड

कुलपति और समकुलपति ने दी बधाई, सभी की मेहनत को सराहा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नैक ए ग्रेड प्राप्त किया है। मूल्यांकन के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) की ओर से हकेंवि को ए ग्रेड प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों के साझा प्रयासों से ही विश्वविद्यालय यह उपलब्धि हासिल कर पाया है।

उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड मिलना इस बात का परिचायक है कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार के साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय को ए ग्रेड प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि नैक से ए ग्रेड प्राप्त करना हरियाणा केंद्रीय विद्यालय के लिए बेहद गर्व की बात है। विश्वविद्यालय के लिए यह मील का पत्थर शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों, अभिभावकों सहित विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की कड़ी मेहनत और अथक प्रयास को दर्शाता है। यह मेहनत आगे भी जारी रहेगी। विवि का हमेशा प्रयास रहा है कि यहां पर विद्यार्थियों को अच्छे से अच्छे भविष्य के लिए तैयार जाए। सभी की मेहनत अब रंग लाई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। स्रोत : हकेंविवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला नैक 'ए' ग्रेड

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नैक 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है। मूल्यांकन के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा हकेंवि को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों के साझा प्रयासों से ही विश्वविद्यालय यह उपलब्धि हासिल कर पाया है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड मिलना इस बात का परिचायक है कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार के साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला नैक 'ए' ग्रेड

कुलपति व समकुलपति ने दी बधाई

चेतना संवाददाता।

महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नैक 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है। मूल्यांकन के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा हकेवि को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों के साझा प्रयासों से ही विश्वविद्यालय यह उपलब्धि हासिल कर पाया है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड मिलना इस बात का परिचायक है कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार के साथ सामाजिक सरोकारो के मोर्चे पर भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय को ए ग्रेड प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नैक से ए ग्रेड प्राप्त करना हकेवि के लिए बेहद गर्व की बात है। विश्वविद्यालय के लिए यह मील का पत्थर शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों और अभिभावकों सहित विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की कड़ी मेहनत और अथक प्रयास को दर्शाता है।

हरियाणा केंद्रीय विवि को मिला नैक 'ए' ग्रेड

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नैक 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है। मूल्यांकन के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा हकेवि को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों के साझा प्रयासों से ही विश्वविद्यालय यह उपलब्धि हासिल कर पाया है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड मिलना इस बात का परिचायक है कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार के साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ● जागरण

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नैक से 'ए' ग्रेड प्राप्त करना हकेवि के लिए बेहद गर्व की बात है। विश्वविद्यालय के लिए यह मील का पत्थर शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों और अभिभावकों सहित विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की कड़ी मेहनत और अथक प्रयास को दर्शाता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ को मिला नैक 'ए' ग्रेड

हरियाणा केंद्रीय विवि, महेंद्रगढ़ व (इनसेट) कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

नारनौल, 13 अगस्त (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ने एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नैक 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है। मूल्यांकन के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा हकेंवि महेंद्रगढ़ को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों के साझा प्रयासों से ही विश्वविद्यालय यह उपलब्धि हासिल कर पाया है।

उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड मिलना इस बात का परिचायक है कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार के साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 14 August 2023
https://epaper.dainiktribuneo

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला नैक ए-ग्रेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नैक 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है। मूल्यांकन के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा हकेंवि को ए-ग्रेड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों के साझा प्रयासों से ही विश्वविद्यालय यह उपलब्धि हासिल कर पाया है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय को ए-ग्रेड मिलना इस बात का परिचायक है कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार के साथ सामाजिक सरोकारो के मोर्चे पर भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय को ए-ग्रेड प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला नैक 'ए' ग्रेड

महेंद्रगढ़, 13 अगस्त (परमजीत/ मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नैक 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है। मूल्यांकन के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एन.ए.ए.सी.) द्वारा हकेंवि को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को बधाई दी।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों के सांझा प्रयासों से ही विश्वविद्यालय यह उपलब्धि हासिल कर पाया है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन के दूसरे चक्र में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड मिलना इस बात का परिचायक है कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार के साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय को ए ग्रेड प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नैक से ए ग्रेड प्राप्त करना हकेवि के लिए बेहद गर्व की बात है। विश्वविद्यालय के लिए यह मील का पत्थर शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों और अभिभावकों सहित विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की कड़ी मेहनत और अथक प्रयास को दर्शाता है।

असहनीय है विभाजन का दर्द : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। विभाजन का दर्द उन लोगों के लिए सदैव ही असहनीय है जो कहीं न कहीं इससे जुड़ें हैं। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ और इसी के साथ इसने विभाजन का वह दर्द झेला जोकि असहनीय है। आज के दिन इस दर्द को याद करने के पीछे की एक ही वजह है कि ऐसे समय की कभी पुनरावृत्ति न हो।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में संस्कृति मंत्रालय, केंद्र सरकार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में व्यक्त किए। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संगीत रागी व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एमरिटस प्रो. अशोक कुमार कौल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विषय परिचय राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया, जबकि अतिथियों का स्वागत विभाग के प्रो. शांतेश कुमार सिंह ने किया। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह विषय महत्त्वपूर्ण है। विशेषज्ञों ने अपना मत प्रस्तुत किया है उससे प्रतिभागियों के समक्ष स्थितियां और भी स्पष्ट हो गई हैं।

सेमिनार में हिस्सा लेते कुलपति व अन्य। स्रोत : विवि

हकेवि में विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस पर सेमिनार

बेहद भयावह था विभाजन का मंजर

महेंद्रगढ़ | विभाजन का दर्द उन लोगों के लिए सदैव ही असहनीय है जो कहीं न कहीं इससे जुड़े हैं। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ और इसी के साथ इसने विभाजन का वह दर्द झेला जोकि असहनीय है। आज हम विभाजन की जिन तस्वीरों को देखते हैं, इनमें दिखने वाला मंजर बेहद भयावह नजर आता है और हालात उससे कई गुणा अधिक वीभत्स थे। आज के दिन इस दर्द को याद करने के पीछे की एक ही वजह है कि ऐसे समय की कभी भी पुनरावृत्ति न हो। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संगीत रागी व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एमेरिटस प्रो. अशोक कुमार कौल उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञ वक्ताओं और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कुलपति ने कहा कि बंटवारे में लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई और सैकड़ों ऐसे थे। जिन्हें रातों-रात अपना सबकुछ छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। कार्यक्रम में विषय परिचय राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। जबकि अतिथियों का स्वागत विभाग के प्रो. सतीश कुमार सिंह ने किया। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. संगीत रागी ने विभाजन के कारणों और उसमें विभिन्न दलों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व बीएचयू के प्रो. अशोक कुमार कौल ने कहा कि विभाजन इतिहास का वह महत्वपूर्ण अध्याय है जोकि सदैव दर्द के साथ याद किया जाएगा।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह विषय बेहद महत्वपूर्ण है और जिस तरह से विशेषज्ञों ने अपना मत प्रस्तुत किया है उससे प्रतिभागियों के समक्ष स्थितियां और भी स्पष्ट हो गई हैं। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। आयोजन में मंच का संचालन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन कुमार ने किया।

हकेंवि में निकाली तिरंगा यात्रा

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकालते विद्यार्थी। स्रोत : विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। आजादी के 76 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इन आयोजनों का उद्देश्य आजादी के महत्त्व और आजादी हासिल करने के लिए किए गए बलिदानों से सभी को अवगत कराना है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने आजादी के 76 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विश्वविद्यालय के आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से मुख्य द्वार तक आयोजित इस तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. नंद किशोर, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. कपिल कुमार, आलेख एस नायक व डॉ. विकास सिवाच सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेतर कर्मचारी शामिल हुए।

असहनीय है विभाजन का दर्द : प्रो. टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: विभाजन का दर्द उन लोगों के लिए सदैव ही असहनीय है जो कहीं न कहीं इससे जुड़ें हैं। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ और इसी के साथ इसने विभाजन का वह दर्द झेला जोकि असहनीय है। आज हम विभाजन की जिन तस्वीरों को देखते हैं, इनमें दिखने वाला मंजर बेहद भयावह नजर आता है और हालात उससे कई गुणा अधिक वीभत्स थे। आज के दिन इस दर्द को याद करने के पीछे की एक ही वजह है कि ऐसे समय की कभी भी पुनरावृत्ति ना हो। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि),महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संगीत रागी व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एमरिटस प्रो. अशोक कुमार कौल उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य उस कालखंड के दर्द को महसूस करना और उसके पीछे के कारणों को तलाशते हुए भविष्य में ऐसी किसी भी परिस्थिति से बचाव की दिशा में अग्रसर होना है। कुलपति ने कहा कि उस बंटवारे में लाखों लोगों ने अपनी जान गवाई और सैंकड़ों ऐसे थे जिन्हें रातों-रात अपना सबकुछ छोड़कर विस्थापित होना पड़ा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. वक्ता

कार्यक्रम में विषय परिचय राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि अतिथियों का स्वागत विभाग के प्रो. शांतेश कुमार सिंह ने किया। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. संगीत रागी ने विभाजन के कारणों और उसमें विभिन्न दलों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि यह विभाजन पूरी तरह से धर्म आधारित विभाजन कहा जा सकता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय द्वारा अलग देश बनाया गया। इससे पूर्व में बीएचयू के प्रो. अशोक कुमार कौल ने कहा कि विभाजन इतिहास का वह महत्वपूर्ण अध्याय है जोकि सदैव दर्द के साथ याद किया जाएगा। आयोजन में विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह विषय बेहद महत्वपूर्ण है और जिस तरह से विशेषज्ञों ने अपना मत प्रस्तुत किया है उससे प्रतिभागियों के समक्ष स्थितियां और भी स्पष्ट हो गई हैं। इस दिन को मनाने के पीछे का उद्देश्य सही मायने में इस बंटवारे के कारणों को जानने-समझने और भविष्य में उनकी पुनरावृत्ति न होने देना है। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार ने आभार जताया। आयोजन में मंच का संचालन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डा. अभिरंजन कुमार ने किया।

असहनीय है विभाजन का दर्द : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ ,14 अगस्त (हप्र)

महेंद्रगढ़ में विभाजन की विभिषिका स्मृति दिवस पर आयोजित सेमिनार में मौजूद वक्ता।-हप्र

विभाजन का दर्द उन लोगों के लिए सदैव ही असहनीय है जो कहीं न कहीं इससे जुड़ें हैं। 15 अगस्त 1947 को देश आाजाद हुआ और इसी के साथ इसने विभाजन का वह दर्द झेला जोकि असहनीय है। आज हम विभाजन की जिन तस्वीरों को देखते हैं, इनमें दिखने वाला मंजर बेहद भयावह नजर आता है और हालात उससे कई गुणा अधिक वीभत्स थे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संगीत रागी व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एमरिटस प्रो. अशोक कुमार कौल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विषय परिचय राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि अतिथियों का स्वागत विभाग के प्रो. शांतेश कुमार सिंह ने किया।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. संगीत रागी ने विभाजन के कारणों और उसमें विभिन्न दलों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। बीएचयू के प्रो. अशोक कुमार कौल ने कहा कि विभाजन इतिहास का वह महत्त्वपूर्ण अध्याय है जो सदैव दर्द के साथ याद किया जाएगा।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 15 August 2023
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/73206534

असहनीय विभाजन की पीड़ाः प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

विभाजन का दर्द उन लोगों के लिए सदैव ही असहनीय है जो कहीं न कहीं इससे जुड़ें हैं। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ और इसी के साथ इसने विभाजन का वह दर्द झेला जोकि असहनीय है। आज हम विभाजन की जिन तस्वीरों को देखते हैं, इनमें दिखने वाला मंजर बेहद भयावह नजर आता है और हालात उससे कई गुणा अधिक वीभत्स थे। आज के दिन इस दर्द को याद करने के पीछे की एक ही वजह है कि ऐसे समय की कभी भी पुनरावृत्ति ना हो। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार व इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। डीयू से प्रो. संगीत रागी व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एमरिटस प्रो. अशोक कुमार कौल उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। विभाजन की विभिषिका स्मृति दिवस पर आयोजित सेमिनार के बाद का समूह चित्र। *फोटो: हरिभूमि*

कार्यक्रम में विषय परिचय राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि अतिथियों का स्वागत विभाग के प्रो. शांतेश कुमार सिंह ने किया।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. संगीत रागी ने विभाजन के कारणों और उसमें विभिन्न दलों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि यह विभाजन पूरी तरह से रिलिजन आधारित विभाजन कहा जा सकता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय द्वारा अलग देश बनाया गया। प्रो. रागी ने उस दौर में विभिन्न प्रतिष्ठित हस्तियों से जुड़ें विचारों को भी प्रस्तुत किया और उनकी भूमिका से अवगत कराया। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह विषय बेहद महत्वपूर्ण है और जिस तरह से विशेषज्ञों ने अपना मत प्रस्तुत किया है उससे प्रतिभागियों के समक्ष स्थितियां और भी स्पष्ट हो गई हैं। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

असहनीय है विभाजन का दर्दः प्रो. टंकेश्वर कुमार

विभाजन की विभिषिका स्मृति दिवस पर आयोजित सैमिनार के बाद का समूह चित्र।

महेंद्रगढ़, 14 अगस्त (परमजीत, मोहन): विभाजन का दर्द उन लोगों के लिए सदैव ही असहनीय है जो कहीं न कहीं इससे जुड़े हैं। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ और इसी के साथ इसने विभाजन का वह दर्द झेला जोकि असहनीय है। आज हम विभाजन की जिन तस्वीरों को देखते हैं, इनमें दिखने वाला मंजर बेहद भयावह नजर आता है और हालात उससे कई गुणा अधिक वीभत्स थे। आज के दिन इस दर्द को याद करने के पीछे की एक ही वजह है कि ऐसे समय की कभी भी पुनरावृत्ति न हो। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संगीत रागी व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एमरिटस प्रो. अशोक कुमार कौल उपस्थित रहे।

हकेंवि में कुलपति ने वीर जवानों को दी सलामी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक भवन के सामने तिरंगा झंडा फहराया। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहभागियों के साथ भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों व देश की सीमा की रक्षा करने वाले वीर जवानों के सेवा, समर्पण व त्याग को याद किया। इससे पूर्व कुलपति ने विश्वविद्यालय स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर जवानों को सलामी दी।

हकेवि में अधिसंख्य सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के अंतर्गत अधिसंख्य (सुपर्नूमरेरी) कोटा सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभिन्न विभागों के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में पंजीकरण की यह प्रक्रिया 18 अगस्त 2023 तक चलेगी। ऑनलाइन पंजीकरण के बाद 21 अगस्त 2023 से दाखिले शुरू होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नियमों को देखते हुए अधिसंख्य कोटे की सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अवश्य ही इसके पात्र आवेदकों के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करेगी।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सशस्त्र बल कर्मियों के बच्चों व विधवाओं, कश्मीरी प्रवासियों और कश्मीरी पंडितों व कश्मीर घाटी में रहने वाले हिंदू परिवारों (गैर-प्रवासी), जाट व पाली गांवों के प्रमाणित नागरिकों तथा कोविड-19 महामारी के कारण अपने माता-पिता को खो देने वाले पात्र बच्चों के लिए अधिसंख्य (सुपर्नूमरेरी) कोटा सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पंजीकरण की यह प्रक्रिया 18 अगस्त तक चलेगी। पंजीकरण के बाद 21 अगस्त से दाखिले शुरू होंगे। विस्तृत विवरण के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in अथवा संबंधित विभाग में संपर्क किया जा सकता है।

हकेंवि के शिक्षकों और कर्मचारियों ने अपनी प्रस्तुतियों से बांधा समां

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मंगलवार को ध्वजारोहण समारोह का आयोजन हुआ। 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक भवन के सामने तिरंगा झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस समारोह में स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से समां बांधा।

देश की शक्ति को भी दर्शाता है स्वतंत्रता दिवस : प्रो. टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे देश की एकता और अखंडता को भी दर्शाता है। वह स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने विश्वविद्यालय के सहभागियों के साथ भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों व देश की सीमा की रक्षा करने वाले वीर जवानों के सेवा, समर्पण व त्याग को याद किया। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे देश की शक्ति को भी दर्शाता है कि कैसे हम सब एक थे, एक हैं और एक रहकर देश को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हमारा देश आज विकास की नई राह पर अग्रसर है और हर दिन एक नया अध्याय इसकी प्रगति में जुड़ रहा है। आज रक्षा, विज्ञान, तकनीकी, खेल, शिक्षा हर मोर्चे पर हम सशक्त हैं और आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कुलपति ने बीते एक वर्ष में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

आपसी सहभागिता के साथ विश्वविद्यालय निरंतर विभिन्न महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) कर रहा है। बीते साल में आठ एमओयू हुए।

इस असर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित समारोह में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने सभी का स्वागत किया। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय पूर्व सैनिकों के संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने कुलपति को सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, गैर शिक्षक कर्मचारी व उनके स्वतन और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर और अन्य अतिथि●

सुपरन्यूमरेरी सीटों पर दाखिले के लिए पंजीकरण शुरू

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के अंतर्गत अधिसंख्य (सुपरन्यूमरेरी) कोटा सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभिन्न विभागों के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में पंजीकरण की यह प्रक्रिया 18 अगस्त 2023 तक चलेगी। ऑनलाइन पंजीकरण के बाद 21 अगस्त 2023 से दाखिले शुरू होंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ये दाखिले सशस्त्र बल कर्मियों के बच्चों व विधवाओं, कश्मीरी प्रवासियों और कश्मीरी पंडितों व कश्मीर घाटी में रहने वाले हिंदू परिवारों (गैर-प्रवासी) के बच्चों, जाट व पाली गांवों के प्रमाणित नागरिकों तथा कोविड-19 महामारी के कारण अपने माता-पिता को खो देने वाले पात्र बच्चों के लिए अधिसंख्य (सुपरन्यूमरेरी) कोटा सीटों पर किये जायेंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 17 August 2023
https://epaper.dainiktrib

हकेंवि में कुलपति ने फहराया तिरंगा

महेंद्रगढ़, 16 अगस्त (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक भवन के सामने तिरंगा झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम आज आजादी का पर्व मना रहे हैं। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहभागियों के साथ भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों व देश की सीमा की रक्षा करने वाले वीर जवानों के सेवा, समर्पण व त्याग को याद किया। इससे पूर्व कुलपति ने विश्वविद्यालय स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर जवानों को सलामी दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 17 August 2023
https://epaper.dainiktribu

Celebration of 77th Independence was organized at CUH

Param Vashist
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Flag hoisting ceremony was organized on Tuesday on the auspicious occasion of Independence Day at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. On the occasion of 77th Independence Day, the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar started the program by unfurling the tricolor flag in front of the administrative building. Prof. Tankeshwar Kumar while congratulating the people present on Independence Day said that we are celebrating the festival of independence today. On this occasion, the Vice-Chancellor along with the participants of the University remembered the service, dedication and sacrifice of the Indian freedom fighters and the brave soldiers who guard the borders of the country. Earlier, the Vice-Chancellor saluted the brave soldiers at the Vidya Veerta Sthal located in the University. On this occasion, Pro-Vice-Chancellor of the University Prof. Sushma Yadav, the first lady of the University Prof. Sunita Srivastava and Registrar Prof. Sunil Kumar were also present. Prof. Tankeshwar Kumar said that today our country is marching on a new path of development and every day a new chapter is being added to its progress. Today, we are strong on every front in defence, science, technology, sports, education and are constantly striving towards becoming a self-reliant India. The success of Chandrayaan-3 mission is a direct proof that India is now capable of establishing a distinct identity among other developed nations on any front. The Vice-Chancellor informed the participants about the achievements of the University in the last one year. He congratulated all the participants on getting NAAC 'A' grade for the University. He said that new patents are continuously being obtained by the teachers of the University, which is the result of their efforts based on society useful research. The Vice-Chancellor said that with mutual participation the University is continuously signing various important MoUs. The Vice-Chancellor also mentioned about setting up of Malaviya Mission Training Program Center in the University. Welcome speech was given by the Dean Student Welfare Prof. Anand Sharma. On this occasion, the teachers and employees of the University graced the occasion through their presentations. Among these were Prof. Anand Sharma, Dr. Keshav Rawat, Dr. Neeraj Karan Singh, Rajesh Jangra, Bhagyashree, Radhika, Kaira Parmar, Kushansh, Animesh Chahal, Manvi etc. At the end of the program, Registrar Prof. Sunil Kumar presented the vote of thanks. The officials associated with the organization of local ex-servicemen present in the program expressed their gratitude to the Vice Chancellor by giving mementos. On this occasion, dean of various departments of the University, head of the departments, teachers, officers, non-teaching staff and their family members and local citizens were also present.

हकेंवि में सुपर्नूमरेरी सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

महेंद्रगढ़, 16 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के अंतर्गत अधिसंख्य (सुपर्नूमरेरी) कोटा सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभिन्न विभागों के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में पंजीकरण की यह प्रक्रिया 18 अगस्त तक चलेगी।

ऑनलाइन पंजीकरण के बाद 21 अगस्त से दाखिले शुरु होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नियमों को देखते हुए अधिसंख्य कोटे की सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अवश्य ही इसके पात्र आवेदकों के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करेगी।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सशस्त्र बलकर्मियों के बच्चों व विधवाओं, कश्मीरी प्रवासियों और कश्मीरी पंडितों व कश्मीर घाटी में रहने वाले हिंदू परिवारों (गैर-प्रवासी) के बच्चों, जांट व पाली गांवों के प्रमाणित नागरिकों तथा कोविड-19 महामारी के कारण अपने माता-पिता को खो देने वाले पात्र बच्चों के लिए अधिसंख्य (सुपर्नूमरेरी) कोटा सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

हकेवि में बीएड व एमएड विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

महेन्द्रगढ़, प्रताप सिंह शास्त्री हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नव प्रवेशित बीएड व एमएड विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह इंडक्शन कार्यक्रम अवश्य ही नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराने में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत बी.एड. के संकायों और छात्र प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता एवं शिक्षक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इंडक्शन कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नए वातावरण में सहज महसूस कराना, दैनिक दिनचर्या निर्धारित करना, बैच के सदस्यों के साथ-साथ संकाय और वरिष्ठ विद्यार्थियों के बीच संबंध बनाना, कार्यक्रम की प्रकृति से परिचित कराना है। उन्होंने बीएड और एमएड में उपलब्ध करियर के अवसरों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर सारिका शर्मा, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन और प्रमुख, शिक्षक शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में की गई थी। कार्यक्रम में पूरे संकाय, सहायक कर्मचारी और बड़ी संख्या में नए और पुराने छात्र शामिल हुए। विभाग के प्रो. गौरव सिंह ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं से प्रतिभागियों को का अवगत कराया।

हकेंवि में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया ध्वजारोहण

महेंद्रगढ़, 16 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मंगलवार को ध्वजारोहण समारोह का आयोजन हुआ।

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक भवन के सामने तिरंगा झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरूआत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम आज आजादी का पर्व मना रहे हैं।

कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहभागियों के साथ भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों व देश की सीमा की रक्षा करने वाले वीर जवानों के सेवा, समर्पण व त्याग को याद किया। इससे पूर्व कुलपति ने विश्वविद्यालय स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर जवानों को सलामी दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में ध्वजारोहण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इस अवसर पर कुलपति ने बीते एक वर्ष में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय को नैक 'ए' ग्रेड मिलने पर सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लगातार नए पेटेंट हासिल किए जा रहे हैं, जो समाज उपयोगी शोध आधारित उनके प्रयासों का परिणाम है।

कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय पूर्व सैनिकों के संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने कुलपति को स्मृति चिन्ह देकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर हकेंवि में किया कार्यक्रम

कार्यक्रम में शामिल शिक्षक व अन्य। स्रोत : विवि

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों-शोधार्थियों को विषय के व्यावहारिक व ऐतिहासिक पहलुओं को जानने में मददगार साबित होते हैं, जहां तक बात डॉ. एसआर रंगनाथन की है तो पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. एसआर रंगनाथन के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पुस्तकों, पठन-पाठन, पुस्तकालयों के महत्त्व पर अपने विचार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा पुस्तकालय में ई-टूल्स की भूमिका विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आईआईटी, दिल्ली से डॉ. टीआर मनु, आईआई बैंगलोर से डॉ. नम्रता राय तथा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रिया विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

बीएड व एमएड के लिए इंडक्शन कार्यक्रम किया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नव प्रवेशित बीएड व एमएड विद्यार्थियों के लिए इंडेक्शन कार्यक्रम किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह इंडक्शन कार्यक्रम अवश्य ही नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराने में मददगार साबित होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत बीएड के संकायों और छात्र प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। स्कूल ऑफ एजुकेशन की

विद्यार्थियों को संबोधित करतीं प्रो. सारिका शर्मा। स्रोत : विवि

अधिष्ठाता एवं शिक्षक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इंडक्शन कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नए वातावरण में सहज महसूस कराना, दैनिक दिनचर्या निर्धारित करना, बैच के सदस्यों के साथ-साथ संकाय और वरिष्ठ विद्यार्थियों के बीच संबंध बनाना, कार्यक्रम की प्रकृति से परिचित कराना है। उन्होंने बीएड और एमएड में उपलब्ध कॅरिअर के अवसरों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। बीएड कार्यक्रम समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी शैक्षणिक संस्थान के पहले हित धारक होते हैं। वे शिक्षण संस्थान की धुरी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदारियां निभाने के लिए तत्पर रहने का भी आह्वान किया।

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हकेवि में ऑनलाइन कार्यशाला करवाई

महेंद्रगढ़ | राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हकेवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों-शोधार् थियों को विषय के व्यावहारिक व ऐतिहासिक पहलुओं को जानने में मददगार साबित होते हैं। जहां तक बात डॉ. एस.आर. रंगनाथन की है तो पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. एस.आर. रंगनाथन के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पुस्तकों, पठन-पाठन, पुस्तकालयों के महत्त्व पर अपने विचार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने पुस्तकालय से संबंधित सेवाओं में उनके योगदान के लिए पुस्तकालय

कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा पुस्तकालय में ई-टूल्स की भूमिका विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हकेवि कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता।

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों-शोधार्थियों को विषय के व्यावहारिक व एतिहासिक पहलुओं को जानने में मददगार साबित होते हैं। जहां तक बात डॉ. एस.आर. रंगनाथन की है तो पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. एस. आर. रंगनाथन के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। तत्पचात विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पुस्तकों, पठन-पाठन, पुस्तकालयों के महत्व पर अपने विचार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने पुस्तकालय से संबंधित सेवाओं में उनके योगदान के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा पुस्तकालय में ई-टूल्स की भूमिका विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आईआईटी, दिल्ली से डॉ. टी.आर. मनु; आईआई बैंगलोर से डॉ. नम्रता राय तथा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय से सुश्री प्रिया विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इसी क्रम में समाज की बेहतरी के लिए अनुसंधान: शोधकर्ताओं की भूमिका, जिम्मेदारियां एवं दृष्टिकोण विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने रिसर्च प्रकाशन व अनुसंधान परिणामों को प्रभावी ढंग से संवाद करने के तरीको पर विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह, श्री नरेश कुमार और डॉ विनीता मलिक ने भी पैनल चर्चा के विषय पर अपने विचार साझा किए।

हकेवि में बीएड व एमएड विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नव प्रवेशित बीएड व एमएड विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह इंडक्शन कार्यक्रम अवश्य ही नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराने में मददगार साबित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत बी.एड. के संकायों और छात्र प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता एवं शिक्षक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इंडक्शन कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नए वातावरण में सहज महसूस कराना, दैनिक दिनचर्या निर्धारित करना, बैच के सदस्यों के साथ-साथ संकाय और वरिष्ठ विद्यार्थियों के बीच संबंध बनाना, कार्यक्रम की प्रकृति से परिचित कराना है। उन्होंने बीएड और एमएड में उपलब्ध करियर के अवसरों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर सारिका शर्मा, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन और प्रमुख, शिक्षक शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में की गई थी। कार्यक्रम में पूरे संकाय, सहायक कर्मचारी और बड़ी संख्या में नए और पुराने छात्र शामिल हुए। विभाग के प्रो. गौरव सिंह ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं से प्रतिभागियों को का अवगत कराया। बी.एड. कार्यक्रम समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी शैक्षणिक संस्थान के पहले हितधारक होते हैं। वे शिक्षण संस्थान की धुरी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदारियां निभाने के लिए तत्पर रहने का भी आह्वान किया। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. नंदकिशोर ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में अपनाए जाने वाले अनुशासन के बारे में जानकारी दी।

हकेंवि में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर कार्यक्रम

महेंद्रगढ़, 17 अगस्त (हप्र)

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों-शोधार्थियों को विषय के व्यावहारिक व ऐतिहासिक पहलुओं को जानने में मददगार साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. एस.आर. रंगनाथन का पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान है।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. एस. आर. रंगनाथन के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। तत्पचात विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पुस्तकों, पठन-पाठन, पुस्तकालयों के महत्त्व पर अवगत कराया। उन्होंने पुस्तकालय से संबंधित सेवाओं में उनके योगदान के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों को सम्मानित भी किया।

महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद स्टाफ व अन्य । -हप्र

बीएड, एमएड विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम

हकेंवि के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नव प्रवेशित बीएड व एमएड विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह इंडक्शन कार्यक्रम अवश्य ही नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराने में मद्दगार साबित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत बी.एड. के संकायों और छात्र प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता एवं शिक्षक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इंडक्शन कार्यक्रम पर प्रकाश डाला।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 18 August 2023
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/73227481

विषय के व्यवहारिक पहलू जानने में मिलती है मदद

■ राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों-शोधार्थियों को विषय के व्यावहारिक व एतिहासिक पहलुओं को जानने में मददगार साबित होते हैं। जहां तक बात डॉ. एसआर रंगनाथन की है तो पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय है। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. एसआर रंगनाथन के चित्र पर पुष्पार्पित करने के साथ हुई। तत्पचात विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पुस्तकों, पठन-पाठन, पुस्तकालयों के महत्व पर अपने विचार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने पुस्तकालय से संबंधित सेवाओं में उनके योगदान के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा पुस्तकालय में ई-टूल्स की भूमिका विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिल्ली से डॉ. टीआर मनु; आईआई बैंगलोर से डॉ. नम्रता राय तथा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रिया विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विवि के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह, नरेश कुमार और डॉ. विनीता मलिक ने भी पैनल चर्चा के विषय पर अपने विचार सांझा किए। मंजू फौगाट, अंग्रेजी विभाग से महानंदा बिस्वास, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से भावेश, मनोविज्ञान विभाग से दीपक कुमार ने पैनलिस्ट के रूप में प्रतिभागिता की और अपने विचार साझा किए।

पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. एस.आर. रंगनाथन योगदान अविस्मरणीय

■ राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हकेंवि कार्यक्रमों का आयोजन

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का समूह चित्र। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 17 अगस्त (मोहन, परमजीत): राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों-शोधार्थियों को विषय के व्यावहारिक व ऐतिहासिक पहलुओं को जानने में मददगार साबित होते हैं। जहां तक बात डॉ. एस.आर. रंगनाथन की है तो पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. एस.आर. रंगनाथन के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पुस्तकों, पठन-पाठन, पुस्तकालयों के महत्व पर अपने विचार से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने पुस्तकालय से संबंधित सेवाओं में उनके योगदान के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों को सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा पुस्तकालय में ई-टूल्स की भूमिका विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आई.आई.टी., दिल्ली से डॉ. टी.आर. मनु, आई.आई.टी. बैंगलोर से डॉ. नम्रता राय तथा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रिया विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

समाज की बेहतरी के लिए अनुसंधानः शोधकर्त्ताओं की भूमिका, जिम्मेदारियां एवं दृष्टिकोण विषय पर की चर्चा

इसी क्रम में समाज की बेहतरी के लिए अनुसंधान: शोधकर्त्ताओं की भूमिका, जिम्मेदारियां एवं दृष्टिकोण विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने रिसर्च प्रकाशन व अनुसंधान परिणामों को प्रभावी ढंग से संवाद करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह, नरेश कुमार और डॉ. विनीता मलिक ने भी पैनल चर्चा के विषय पर अपने विचार सांझा किए।

मनोविज्ञान विभाग से मंजू फोगाट, अंग्रेजी विभाग से महानंदा बिस्वास, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से भावेश, मनोविज्ञान विभाग से दीपक कुमार ने पैनलिस्ट के रूप में प्रतिभागिता की और अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की विवरणिका का विमोचन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) द्वारा 20 से 24 नवंबर के बीच आयोजित होने जा रही अंतरराष्ट्रीय शोध लेखन व प्रकाशन कार्यशाला की विवरणिका का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के द्वारा आयोजित कार्यशाला के माध्यम से शोधार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जर्नल्स के प्रमुख संपादकों से रूबरू होने का अवसर प्राप्त होगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से शोध लेखन व प्रकाशन की बारीकियों को जानने-समझने का अवसर प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ द्वारा 2022 में शुरू हुई

विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

कार्यशाला के कड़ी में यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में प्रो. रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च; प्रो. गिआमपोलो विग्लिया, पोर्टूसमाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रो. अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रो. क्लियोपेट्रा वेलौट्सौ, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम; प्रो. बाबू मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग; प्रो. जस्टिन पॉल, प्योरटो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी कैंपबेल, मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रो. पी के कन्नन, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर आदि विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हकेंवि में बीटेक के लिए बीआर चौधरी स्वर्ण पदक की शुरुआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में उपलब्ध बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के विद्यार्थियों को उनकी प्रतियोगिता के आधार पर हर साल पुरस्कृत किया जाएगा।

यह शुरुआत विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन के अंतर्गत जुड़े ऑफसैट प्रिंटर्स एसोसिएशन (ओपीए) के द्वारा की गई है। इसके परिणाम स्वरूप हर साल एक प्रतियोगिता के आधार पर विजेता को स्वर्ण पदक व पच्चीस हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। ओपीए की ओर से यह स्वर्ण पदक ऑफसैट प्रिंटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बीआर चौधरी को समर्पित किया गया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को विषय की गंभीरता को समझाने और उसको इंस्डस्ट्री की मांग के अनुरूप तैयार करने में मददगार होगा।

ऑफसैट प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि एक शिक्षक जिन्होंने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र को नए आयाम प्रदान किए और अपना जीवन इस क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित किया। उनके सम्मान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान पुरस्कार शुरू किया जा रहा है। वर्ल्ड प्रिंट एंड कम्यूनिकेशन फोरम के अध्यक्ष प्रो. कमल मोहन चोपड़ा ने कहा कि प्रिंटिंग मानव कल्याण हेतु एक उल्लेखनीय खोज है और जिस तरह से इस इंडस्ट्री का विकास हो रहा है, उसे देखते हुए आवश्यक है कि ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहें। हकेंवि जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने हेतु यह शुरुआत उल्लेखनीय है। संवाद

हकेवि में बी.टेक के विद्यार्थियों के लिए बी.आर. चौधरी गोल्ड मेडल की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उपलब्ध बी.टेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के विद्यार्थियों को उनकी प्रतियोगिता के आधार पर हर साल पुरस्कृत किया जाएगा। यह शुरुआत विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन के अंतर्गत जुड़े ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन (ओपीए) द्वारा की गई है। जिसके परिणाम स्वरूप हर साल एक प्रतियोगिता के आधार पर विजेता को गोल्ड मेडल व 25 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

ओपीए की ओर से यह गोल्ड मेडल ऑफसेट प्रिंटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बी.आर. चौधरी को समर्पित किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ओपीए द्वारा बी.आर. चौधरी गोल्ड मेडल की शुरुआत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को विषय की गंभीरता को समझाने और उसको इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप तैयार करने में मददगार होगा। ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल ने कहा कि यह हमारे लिए बेहद गर्व की बात है कि एक शिक्षक जिन्होंने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र को नए आयाम प्रदान किए और अपना जीवन इस क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित किया, उनके सम्मान में हकेंवि जैसे प्रतिष्ठित संस्थान पुरस्कार शुरू किया जा रहा है। वर्ल्ड प्रिंट एंड कम्यूनिकेशन फोरम के अध्यक्ष प्रो. कमल मोहन चोपड़ा ने कहा कि प्रिंटिंग मानव कल्याण को एक उल्लेखनीय खोज है और जिस तरह से इस इंडस्ट्री का विकास हो रहा है, उसे देखते हुए आवश्यक है कि ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहे। विवि में प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के प्रभारी संदीप बूरा ने बताया कि इस वार्षिक पुरस्कार के अंतर्गत एक प्रतियोगिता प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थियों के लिए होगी जिसमें विजेता विद्यार्थी को बी.आर. चौधरी गोल्ड मेडल व नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

हकेंवि कुलपति ने विवरणिका का किया विमोचन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ द्वारा आगामी 20 से 24 नवंबर के बीच आयोजित होने जा रही अंतरराष्ट्रीय शोध लेखन एवं प्रकाशन कार्यशाला की विवरणिका का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा विमोचन किया गया। व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से शोधार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जर्नल्स के प्रमुख संपादकों से रूबरू होने का अवसर प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से शोध लेखन व प्रकाशन की बारिकियों को जानने-समझने का अवसर प्रदान करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ द्वारा 2022 में शुरू हुई कार्यशाला के कड़ी में यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में कार्यशाला की विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर • सौ. विवि प्रवक्ता

कार्यशाला के संयोजक डा. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में प्रो. रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, प्रो. गिआमपोलो विग्लिया, पोट्र्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन, प्रो. अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल आफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग, प्रो. क्लियोपेट्रा वेलौट्सौ, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम, प्रो. बाबू मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग, प्रो. जस्टिन पाल, प्योरटो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल आफ कंज्यूमर स्टडीज, प्रो. गैरी कैंपबेल, मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति, प्रो. पीके कन्नन, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल आफ मार्केटिंग, प्रो. गोपाल दास, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल आफ मार्केटिंग विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर कार्यशाला के आयोजन सचिव डा. सुमन व अन्य मौजूद रहे।

हकेवि में बीटेक के विद्यार्थियों के लिए बीआर चौधरी गोल्ड मेडल की हुई शुरुआत

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिता के आधार पर होगा चयन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के विद्यार्थियों को उनकी प्रतियोगिता के आधार पर हर साल पुरस्कृत किया जाएगा। यह शुरुआत विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन के अंतर्गत जुड़े आफसैट प्रिंटर्स एसोसिएशन (ओपीए) के द्वारा की गई है। जिसके परिणाम स्वरूप हर साल एक प्रतियोगिता के आधार पर विजेता को गोल्ड मेडल व पच्चीस हजार रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। ओपीए की ओर से यह गोल्ड मेडल आफसैट प्रिंटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बीआर चौधरी को समर्पित किया गया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ओपीए द्वारा बीआर चौधरी गोल्ड मेडल की शुरुआत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को विषय की गंभीरता को समझाने और उसको इंस्डस्ट्री की मांग के अनुरूप तैयार करने में मददगार होगा।

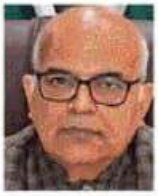

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ ● जागरण

आफसैट प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल ने कहा कि यह हमारे लिए बेहद गर्व की बात है कि एक शिक्षक जिन्होंने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र को नए आयाम प्रदान किए और अपना जीवन इस क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित किया, उनके सम्मान में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान पुरस्कार शुरु किया जा रहा है। इसी क्रम में वर्ल्ड प्रिंट एंड कम्यूनिकेशन फोरम के अध्यक्ष प्रो. कमल मोहन चोपड़ा ने कहा कि प्रिंटिंग मानव कल्याण हेतु एक उल्लेखनीय खोज है और जिस तरह से इस इंडस्ट्री का विकास हो रहा है, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने हेतु यह शुरुआत उल्लेखनीय है। विश्वविद्यालय में प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी विभाग के प्रभारी संदीप बूरा ने बताया कि इस वार्षिक पुरस्कार के अंतर्गत एक प्रतियोगिता का आयोजन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी विभाग के विद्यार्थियों के लिए किया जाएगा।

वीसी ने कार्यशाला की विवरणिका का विमोचन

■ हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 20 से 24 नवंबर के बीच आयोजित होने जा रही अंतर्राष्ट्रीय शोध लेखन एवं प्रकाशन कार्यशाला की विवरणिका का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से शोधार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जर्नल्स के प्रमुख संपादको से रुबरु होने का अवसर प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

महेंद्रगढ़। विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से शोध लेखन व प्रकाशन की बारिकियों को जानने-समझने का अवसर प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही। निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ द्वारा 2022 में शुरू हुई कार्यशाला हो रही है। संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में प्रो. रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च; प्रो. गिआमपोलो विग्लिया, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रो. अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रो. क्लियोपेट्रा वेलौट्सौ, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम; प्रो. बाबू मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग; प्रो. जस्टिन पॉल, प्योरटो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी कैंपबेल, मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति मौजूद रहे।

हकेवि कुलपति ने किया अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की विवरणिका का विमोचन

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा आगामी 20 से 24 नवम्बर के बीच आयोजित होने जा रही अंतर्राष्ट्रीय शोध लेखन एवं प्रकाशन कार्यशाला की विवरणिका का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से शोधार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जर्नल्स के प्रमुख संपादको से रुबरु होने का अवसर प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से शोध लेखन व प्रकाशन की बारिकियों को जानने-समझने का अवसर प्रदान करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ द्वारा 2022 में शुरू हुई कार्यशाला के कड़ी में यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में प्रो. रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च; प्रो. गिआमपोलो विगलिया, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रो. अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रो. क्लियोपेट्रा वेलौट्सौ, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम; प्रो. बाबू मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग; प्रो. जस्टिन पॉल, प्योरटो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी कैंपबेल, मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रो. पी के कन्नन, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग; प्रो. गोपाल दास, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। विवरणिका विमोचन के अवसर पर कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार भी उपस्थित रहे।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में अपार संभावनाएं : नवीन कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में कॅरिअर संभावनाएं विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इसमें बिहार जू कॉरपोरेशन के रिटायर्ड जनरल मैनेजर नवीन कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विजुअल मीडिया के दौर में चित्रों का विशेष महत्व है। व्याख्यान में विशेषज्ञ नवीन कुमार ने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को साधारण भाषा में समझाने के लिए बताया कि वाइल्ड लाइफ से अभिप्राय है निदर कलटीवेटिड नॉर डोमेस्टिक। हिंदुस्तान विश्व की सर्वाधिक जैव विविधता वाले देशों में से एक है। हिमालय श्रेणी में पक्षियों की सबसे अधिक प्रजातियां उपलब्ध है इसके अलावा वैस्टर्न घाट में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु आदि में पशु-पक्षियों की विभिन्न दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं इसलिए भारत में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में आपार संभावनाएं हैं। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज करन सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार व डॉ. आलेख सचिदानंद नायक ने आभार प्रकट किया। संवाद

जैव विविधताओं भरे देश भारत में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में आपार संभावनाएं : नवीन कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर वाइल्ड लाइफ फोटोग्रॉफी में करियर संभावनाएं विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बिहार जू कॉरपोरेशन के रिटायर्ड जनरल मैनेजर नवीन कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजुअल मीडिया के दौर में चित्रों का विशेष महत्व है। विद्यार्थी इनको लेकर संवेदनशील बनें इसलिए ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी होते हैं।

व्याख्यान में विशेषज्ञ नवीन कुमार ने बताया कि वाइल्ड लाइफ से अभिप्राय है निदर कलटीवेटिड नॉर डोमेस्टिक। हिन्दुस्तान विश्व की सर्वाधिक जैव विविधता वाले देशों में से एक है। हिन्दुस्तान में विभिन्न पर्यावरण क्षेत्र हैं जिसके कारण यहाँ पर अत्याधिक फॉरेस्ट कॉम्बिनेशन उपलब्ध हैं। भारत के हिमालय श्रेणी में पक्षियों की सबसे अधिक प्रजातियां उपलब्ध हैं इसके अलावा वैस्टर्न घाट में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु आदि में पशु-पक्षियों की विभिन्न दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं इसलिए भारत में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में आपार संभावनाएं हैं। वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के प्रथम चित्र के इतिहास के बारे में बताते हुए, वर्तमान समय में विभिन्न उपलब्ध तकनीकों एवं संभावनाओं पर चर्चा की। वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी क्षेत्र में अपना करियर बनाने वाले विद्यार्थी पहले इस क्षेत्र को समझें। । उन्होंने वाइल्डलाइफ फोटोग्रॉफी करने के तरीकों से भी प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। व्याख्यान के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज करन सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार व डॉ. आलेख सचिदानंद नायक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक डॉ. अशोक कुमार, डॉ. पंकज कुमार व डॉ. भारती बतरा उपस्थित रहे।

भारत में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में आपार संभावनाएं : नवीन कुमार

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर वाइल्ड लाइफ फोटोग्रॉफी में करियर संभावनाएं विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बिहार जू कॉरपोरेशन के रिटायर्ड जनरल मैनेजर नवीन कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजुअल मीडिया के दौर में चित्रों का विशेष महत्व है। विद्यार्थी इनको लेकर संवेदनशील बनें इसलिए ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी होते हैं।

व्याख्यान में विशेषज्ञ नवीन कुमार ने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को साधारण भाषा में समझाने के लिए बताया कि वाइल्ड लाइफ से अभिप्राय है निदर कलटीवेटिड नॉर डोमेस्टिक। हिन्दुस्तान विश्व की सर्वाधिक जैव विविधता वाले देशों में से एक है। हिन्दुस्तान में विभिन्न पर्यावरण क्षेत्र हैं जिसके

कारण यहाँ पर अत्याधिक फॉरेस्ट कॉम्बिनेशन उपलब्ध हैं। भारत के हिमालय श्रेणी में पक्षियों की सबसे अधिक प्रजातियां उपलब्ध है इसके अलावा वैस्टर्न घाट में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु आदि में पशु-पक्षियों की विभिन्न दुर्लभ प्रजातिया पाई जाती हैं इसलिए भारत में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में आपार संभावनाएं हैं। उन्होंने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के प्रथम चित्र के इतिहास के बारे में बताते हुए, वर्तमान समय में विभिन्न उपलब्ध तकनीकों एवं संभावनाओं पर चर्चा की।

विशेषज्ञ वक्ता ने कहा कि वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी क्षेत्र में अपना करियर बनाने वाले विद्यार्थी पहले इस क्षेत्र को समझें। आज के समय में वर्ल्ड ट्यूरिज्म, बर्ड टूरिज्म और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी बिलियन डॉलर इंडस्ट्री है। इसके लिए जरूरी है विद्यार्थी प्रकृति को समझें और अपने विशेष पसंदीदा फोटोग्राफी क्षेत्र को चुनें। उन्होंने वाइल्डलाइफ फोटोग्रॉफी करने के तरीकों से भी प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। व्याख्यान के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज करन सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार व डॉ. आलेख सचिदानंद नायक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

'जैव विविधताओं वाले अपने देश में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की आपार संभावनाएं'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में करियर संभावनाएं विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बिहार जू कारपोरेशन के रिटायर्ड जनरल मैनेजर नवीन कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजुअल मीडिया के दौर में चित्रों का विशेष महत्व है। विद्यार्थी इनको लेकर संवेदनशील बनें इसलिए ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी होते हैं। व्याख्यान में विशेषज्ञ नवीन कुमार ने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को साधारण भाषा में समझाने के लिए बताया कि वाइल्ड लाइफ से अभिप्राय है निदर कलटीवेटिड नार डोमेस्टिक। हिंदुस्तान विश्व की सर्वाधिक जैव विविधता वाले देशों में से एक है। हिंदुस्तान में विभिन्न पर्यावरण क्षेत्र हैं जिसके कारण यहां पर अत्याधिक फारेस्ट काम्बिनेशन उपलब्ध हैं। भारत के हिमालय श्रेणी में पक्षियों की सबसे अधिक प्रजातियां उपलब्ध हैं इसके अलावा वैस्टर्न घाट में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु आदि में पशु-पक्षियों की विभिन्न दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं इसलिए भारत में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में आपार संभावनाएं हैं। उन्होंने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के प्रथम चित्र के बारे में बताते हुए, वर्तमान समय में विभिन्न उपलब्ध तकनीकों एवं संभावनाओं पर चर्चा की।

विशेषज्ञ वक्ता ने कहा कि वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी क्षेत्र में अपना करियर बनाने वाले विद्यार्थी पहले इस क्षेत्र को समझें। आज के समय में वर्ल्ड ट्यूरिज्म, बर्ड टूरिज्म और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी बिलियन डालर इंडस्ट्री है। इसके लिए जरूरी है विद्यार्थी प्रकृति को समझें और अपने विशेष पसंदीदा फोटोग्राफी क्षेत्र को चुनें। उन्होंने वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी करने के तरीकों से भी प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। व्याख्यान के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डा. नीरज करन सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डा. सुरेंद्र कुमार व डा. आलेख सचिदानंद नायक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक डा. अशोक , डा. पंकज कुमार व डा. भारती बतरा उपस्थित रहे।

'वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में अपार संभावनाएं'

महेंद्रगढ़ 19 अगस्त (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर वाइल्ड लाइफ फोटोग्रॉफी में करियर संभावनाएं विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बिहार जू कॉरपोरेशन के रिटायर्ड जनरल मैनेजर नवीन कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजुअल मीडिया के दौर में चित्रों का विशेष महत्व है। विद्यार्थी इनको लेकर संवेदनशील बनें इसलिए ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी होते हैं। व्याख्यान में विशेषज्ञ नवीन कुमार ने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को साधारण भाषा में समझाने के लिए बताया कि वाइल्ड लाइफ से अभिप्राय है निंदर कलटीवेटिड नॉर डोमेस्टिक।

दैनिक ट्रिब्यून Sun, 20 August 2023
https://epaper.dainiktribuneonline.com/

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में अपार संभावनाएं

- विश्व फोटोग्राफी दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर वाइल्ड लाइफ फोटोग्रॉफी में करियर संभावनाएं विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बिहार जू कॉरपोरेशन के रिटायर्ड जनरल मैनेजर नवीन कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई दी। विजुअल मीडिया के दौर में चित्रों का विशेष महत्व है।

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रतिभागियों को संबोधित करते नवीन कुमार।

विद्यार्थी इनको लेकर संवेदनशील बनें इसलिए ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी होते हैं। व्याख्यान में विशेषज्ञ नवीन कुमार ने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को साधारण भाषा में समझाने के लिए बताया कि वाइल्ड लाइफ से अभिप्राय है निदर कलटीवेटिड नॉर डोमेस्टिक। हिंदुस्तान विश्व की सर्वाधिक जैव विविधता वाले देशों में से एक है। हिन्दुस्तान में विभिन्न पर्यावरण क्षेत्र हैं जिसके कारण यहां पर अत्याधिक फॉरेस्ट कॉम्बिनेशन उपलब्ध हैं। भारत के हिमालय श्रेणी में पक्षियों की सबसे अधिक प्रजातियां उपलब्ध है इसके अलावा वैस्टर्न घाट में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल मौजूद रहे।

पहले समझना जरूरी

विशेषज्ञ वक्ता ने कहा कि वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी क्षेत्र में अपना करियर बनाने वाले विद्यार्थी पहले इस क्षेत्र को समझें। आज के समय में वर्ल्ड ट्यूरिज्म, बर्ड टूरिज्म और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी बिलियन डॉलर इंडस्ट्री है। इसके लिए जरूरी है विद्यार्थी प्रकृति को समझें और अपने विशेष पसंदीदा फोटोग्राफी क्षेत्र को चुनें। उन्होंने वाइल्डलाइफ फोटोग्रॉफी करने के तरीकों से भी प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। व्याख्यान के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज कर्णसिंह ने किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार व डॉ. आलेख सच्चिदानंद नायक ने धन्यवाद किया।

जैव विविधताओं से भरे भारत में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में आपार संभावनाएं: नवीन कुमार

•विश्व फोटोग्राफी दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 19 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में करियर संभावनाएं विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बिहार जू कॉर्पोरेशन के रिटायर्ड जनरल मैनेजर नवीन कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजुअल मीडिया के दौर में चित्रों का विशेष महत्व है। विद्यार्थी इनको लेकर संवेदनशील बनें, इसलिए ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी होते हैं।

व्याख्यान में विशेषज्ञ नवीन कुमार ने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को साधारण भाषा में समझाने के लिए बताया कि वाइल्ड लाइफ से अभिप्राय है निदर कल्टीवेटिड नॉर डोमैस्टिक। हिन्दुस्तान विश्व की सर्वाधिक जैव विविधता वाले देशों में से एक है। हिन्दुस्तान में विभिन्न पर्यावरण क्षेत्र हैं जिसके कारण यहां पर अत्यधिक फॉरेस्ट कॉम्बिनेशन उपलब्ध है।

भारत के हिमालय श्रेणी में पक्षियों की सबसे अधिक प्रजातियां उपलब्ध हैं, इसके अलावा वैस्टर्न घाट में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु आदि में पशु-पक्षियों की विभिन्न दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं इसलिए भारत में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में आपार संभावनाएं हैं।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की शंकाओं का किया समाधान

विशेषज्ञ वक्ता ने कहा कि वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी क्षेत्र में अपना करियर बनाने वाले विद्यार्थी पहले इस क्षेत्र को समझें।

आज के समय में वर्ल्ड ट्यूरिज्म, बर्ड टूरिज्म और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी बिलियन डॉलर इंडस्ट्री है। इसके लिए जरूरी है विद्यार्थी प्रकृति को समझें और अपने विशेष पसंदीदा फोटोग्राफी क्षेत्र को चुनें। उन्होंने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी करने के तरीकों से भी प्रतिभागियों को विस्तार से बताया।

व्याख्यान के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज करन सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार व डॉ. आलेख सच्चिदानंद नायक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक डॉ. अशोक कुमार, डॉ. पंकज कुमार व डॉ. भारती बतरा उपस्थित रहे।

सीयूएच फैकल्टी को न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवॉर्ड

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य (इंस्पायर फैकल्टी) डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को रॉयल सोसाइटी लंदन, यूनाइटेड किंगडम (यूके) से न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। डॉ. अनिंदिता वर्तमान में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने और उन्हें मूल्यवान उत्पादों में बदलने के लिए सामग्रियों के विकास और अनुप्रयोगों पर काम कर रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि रॉयल सोसाइटी, लंदन से अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिलना हर्ष व सम्मान का विषय है। संवाद

सीयूएच फैकल्टी को न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवॉर्ड से किया सम्मानित

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य (इंस्पायर फैकल्टी) डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को रॉयल सोसाइटी, लंदन, यूनाइटेड किंगडम (यूके) से न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड, 2023 से सम्मानित किया गया है। डॉ. अनिंदिता वर्तमान में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने और उन्हें मूल्यवान उत्पादों में बदलने के लिए सामग्रियों के विकास और अनुप्रयोगों पर काम कर रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी ।

न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड यूके के अंतर्गत अनुसंधान व यूके के प्राकृतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग समुदायों के साथ अनुसंधान सहयोग करने के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को यूके के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में रिसर्च कोलेबरेशन की सुविधा प्रदान करेगा। इस पुरस्कार के अंतर्गत डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती के पीएचडी शोधार्थी को सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय का दौरा करने का भी प्रावधान है। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि यह दूसरी बार है जब डॉ. अनिंदिता को रॉयल सोसाइटी की ओर से न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इससे पहले, डॉ. अनिंदिता ने अपनी पीएचडी शोधार्थी ज्योति के साथ हाल ही में इंग्लैंड के ससेक्स विश्वविद्यालय का दौरा किया था। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने भी डॉ. अनिंदिता को बधाई दी।

हकेंवि फैकल्टी को मिला न्यूटन एलुमनी फालोआन अवार्ड

डा. अनिंदिता चक्रवर्ती को सम्मान पत्र सौंपते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य (इंस्पायर फैकल्टी) डा. अनिंदिता चक्रवर्ती को रायल सोसायटी लंदन, यूनाइटेड किंगडम (यूके) से न्यूटन एलुमनी फालोआन अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। डा. अनिंदिता वर्तमान में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने और उन्हें मूल्यवान उत्पादों में बदलने के लिए सामग्रियों के विकास पर काम कर रही हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने डा. अनिंदिता चक्रवर्ती को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि रायल सोसायटी लंदन से अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिलना खुशी की बात है।

यह अवार्ड यूके के अंतर्गत अनुसंधान व यूके के प्राकृतिक विज्ञान व इंजीनियरिंग समुदायों के साथ अनुसंधान सहयोग करने के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार डा. अनिंदिता को यूके के एक सेंट एंड्रयूज विवि के रसायन विज्ञान विभाग में रिसर्च कोलेबरेशन की सुविधा प्रदान करेगा।

डॉ. अनिंदिता न्यूटन एलुमनी फॉलोऑन अवार्ड से सम्मानित

महेंद्रगढ़ ,20 अगस्त (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य (इंस्पायर फैकल्टी) डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को रॉयल सोसायटी, लंदन, यूनाइटेड किंगडम (यूके) से न्यूटन एलुमनी फॉलोऑन अवार्ड, 2023 से सम्मानित किया गया है। डॉ. अनिंदिता वर्तमान में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने और उन्हें मूल्यवान उत्पादों में बदलने के लिए सामग्रियों के विकास और अनुप्रयोगों पर काम कर रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि रॉयल सोसायटी, लंदन से अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना हर्ष व सम्मान का विषय है। न्यूटन एलुमनी फॉलोऑन अवार्ड यूके के अंतर्गत अनुसंधान व यूके के प्राकृतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग समुदायों के साथ अनुसंधान सहयोग करने के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को यूके के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में रिसर्च कोलेबरेशन की सुविधा प्रदान करेगा। इस पुरस्कार के अंतर्गत डॉ. अनिंदिता के पीएचडी शोधार्थी को सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय का दौरा करने का भी प्रावधान है। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि यह दूसरी बार है जब डॉ. अनिंदिता को रॉयल सोसायटी की ओर से न्यूटन एलुमनी फॉलोऑन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इससे पहले, डॉ. अनिंदिता ने अपनी पीएचडी शोधार्थी सुश्री ज्योति के साथ हाल ही में इंग्लैंड के ससेक्स विश्वविद्यालय का दौरा किया था। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने भी डॉ. अनिंदिता को बधाई दी और कहा कि इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय शोध दौरे विभाग के लिए उपयोगी होंगे।

सीयूएच फैकेल्टी को न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य (इंस्पायर फैकेल्टी) डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को रॉयल सोसाइटी, लंदन, यूनाइटेड किंगडम (यूके) से न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। डॉ. अनिंदिता वर्तमान में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने और उन्हें मूल्यवान उत्पादों में बदलने के लिए सामग्रियों के विकास और अनुप्रयोगों पर काम कर रही हैं। विश्वविद्यालय कुलपति

महेंद्रगढ़। डॉ. अनिंदिता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिलना हर्ष की बात है।

सी.यू.एच. फैकल्टी न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड-2023 से सम्मानित

महेंद्रगढ़, 20 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य (इंस्पायर फैकल्टी) डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को रॉयल सोसाइटी, लंदन, यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) से न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड-2023 से सम्मानित किया गया है।

डॉ. अनिंदिता वर्तमान में ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन को कम करने और उन्हें मूल्यवान उत्पादों में बदलने के लिए सामग्रियों के विकास और अनुप्रयोगों पर काम कर रही हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि रॉयल सोसाइटी, लंदन से अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना हर्ष व सम्मान का विषय है। न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड यू.के. के अंतर्गत अनुसंधान व यू.के. के प्राकृतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग समुदायों के साथ अनुसंधान सहयोग करने के लिए प्रदान किया जाता है।

डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ।

यह पुरस्कार डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती को यू.के. के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में रिसर्च कोलैबरेशन की सुविधा प्रदान करेगा।

इस पुरस्कार के अंतर्गत डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती के पीएच.डी. शोधार्थी को सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय का दौरा करने का भी प्रावधान है। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि यह दूसरी बार है जब डॉ. अनिंदिता को रॉयल सोसाइटी की ओर से न्यूटन एलुमनी फॉलो-ऑन अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

इससे पहले डॉ. अनिंदिता ने अपनी पीएच.डी. शोधार्थी ज्योति के साथ हाल ही में इंगलैंड के ससेक्स विश्वविद्यालय का दौरा किया था। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने भी डॉ. अनिंदिता को बधाई दी और कहा कि इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय शोध दौरे विभाग के लिए उपयोगी होंगे।

प्रो. रणवीर सिंह के कार्यमुक्त होने पर हवन किया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह कार्यमुक्त हुए। इस अवसर पर पीठ में हवन कार्यक्रम का आयोजन किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कुलपति ने प्रो. रणवीर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के माध्यम से स्वामी के विचारों के प्रसार हेतु जो प्रयास किए गए वे सराहनीय हैं। संवाद

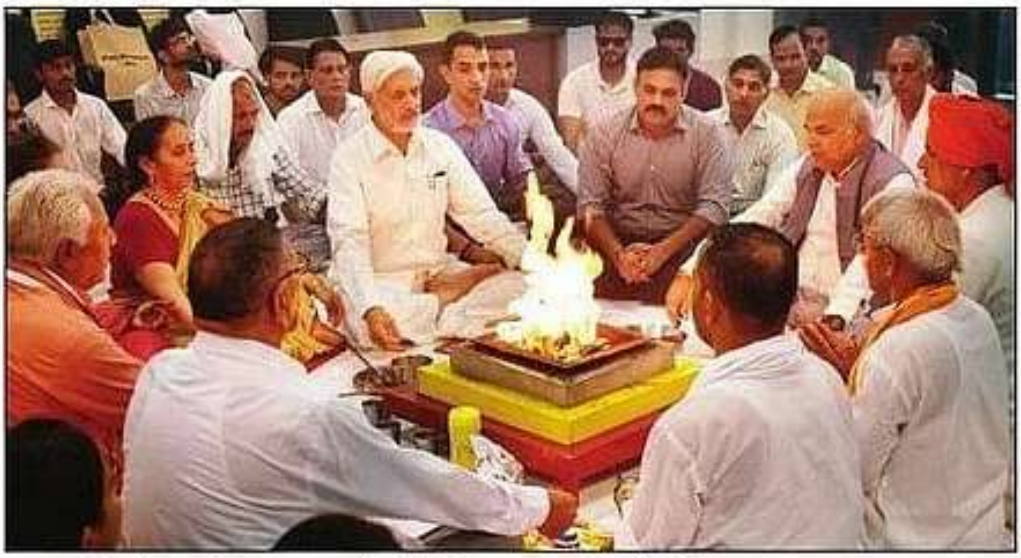

पीठ में आयोजित हवन में सम्मिलित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

प्रो. रणवीर सिंह के कार्यमुक्त होने पर हवन हुआ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह की सोमवार को कार्यमुक्त हुए। इस अवसर पर पीठ में हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कुलपति ने इस अवसर पर प्रो. रणवीर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के माध्यम से स्वामी के विचारों के प्रसार हेतु जो प्रयास किए गए वे सराहनीय हैं। इस मौके पर महेंद्रगढ़ जिले के आर्यसमाजी भी उपस्थित रहे और उन्होंने प्रो. रणवीर सिंह को पगड़ी व पटका पहनाकर सम्मानित किया। आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. दिनेश चहल, राजनीति विभाग के प्रो. शातेश कुमार, हिंदी विभाग के सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. रणवीर सिंह के कार्यमुक्त होने पर हवन आयोजित

चेतना संवाददाता।
महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह की सोमवार को कार्यमुक्त हुए। इस अवसर पर पीठ में हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कुलपति ने इस अवसर पर प्रो. रणवीर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के माध्यम से स्वामी जी के विचारों के प्रसार हेतु जो प्रयास किए गए वे सराहनीय हैं। इस मौके पर महेंद्रगढ़ जिले के आर्यसमाजी भी उपस्थित रहे और उन्होंने प्रो. रणवीर सिंह को पगड़ी व पटका पहनाकर सम्मानित किया। आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. दिनेश चहल, राजनीति विभाग के प्रो. शांतेश कुमार, हिंदी विभाग के सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में पीजीडीआरपी व एडीसीजीसी कार्यक्रमों के लिए काउंसिलिंग 29 को

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिहैबिलिटेशन साइकोलॉजी (पीजीडीआरपी) और एडवांस्ड डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसिलिंग (एडीसीजीसी) में रिक्त सीटों के लिए 29 अगस्त को ओपन फिजिकल काउंसिलिंग का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ये दोनों डिप्लोमा कार्यक्रम आरसीआई-अनुमोदित हैं और ये कार्यक्रम विशेष रूप से विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल और ज्ञान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं। साथ ही इनमें रोजगार की भी अपार संभावनाएं मौजूद है।

कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) 2023 के नोडल अधिकारी प्रो. फूल सिंह ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रमों के लिए ओपन फिजिकल काउंसिलिंग 29 अगस्त को की जाएगी। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने कहा कि ओपन फिजिकल काउंसिलिंग के लिए छात्रों को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच मूल दस्तावेजों के साथ मनोविज्ञान विभाग में रिपोर्ट करनी होगी। संवाद

ओपन फिजिकल काउंसलिंग 29 को

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए पोस्ट बेजुएट डिप्लोमा इन रिहेबिलिटेशन साइकोलॉजी (पीजीडीआरपी) और एडवांस्ड डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग (एडीसीजीसी) में रिक्त सीटों के लिए मंगलवार 29 अगस्त को ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इनमें रोजगार की भी आपार संभावनाएं मौजूद है। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट (सीयूईटी) 2023 के नोडल अधिकारी प्रो. फूल सिंह ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रमों के लिए ओपन फिजिकल काउंसलिंग 29 अगस्त, 2023 को आयोजित की जाएगी। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने कहा कि ओपन फिजिकल काउंसलिंग के लिए छात्रों को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच मूल दस्तावेजों, एक सेट फोटोकॉपी के साथ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में रिपोर्ट करना होगा। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शेड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण और अन्य जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 23 August 2023
https://epaper.dainiktribun

हकेवि में पीजीडीआरपी और एडीसीजीसी कार्यक्रमों के लिए ओपन फिजिकल काउंसलिंग 29 अगस्त को

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिहैबिलिटेशन साइकोलॉजी (पीजीडीआरपी) और एडवांस्ड डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग (एडीसीजीसी) में रिक्त सीटों के लिए मंगलवार 29 अगस्त को ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध इन रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को प्रवेश के अधिकतम

अवसर प्रदान करने हेतु फिजिकल काउंसलिंग आयोजित की जा रही है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि ये दोनों डिप्लोमा कार्यक्रम आरसीआई-अनुमोदित हैं और ये कार्यक्रम विशेष रूप से विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल और ज्ञान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं। साथ ही इनमें रोजगार की भी आपार संभावनाएं मौजूद है। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) 2023 के नोडल अधिकारी प्रो. फूल सिंह ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रमों के लिए ओपन फिजिकल काउंसलिंग 29 अगस्त, 2023 को आयोजित की जाएगी। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने कहा कि ओपन फिजिकल काउंसलिंग के लिए छात्रों को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच मूल दस्तावेजो के साथ एक सेट फोटोकॉपी के साथ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में रिपोर्ट करना होगा। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शेड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण और अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

हकेवि में पी.जी.डी.आर.पी. और ए.डी.सी.जी.सी. कार्यक्रमों के लिए ओपन फिजिकल काऊंसलिंग 29 अगस्त को

महेंद्रगढ़, 22 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिहैबिलिटेशन साइकोलॉजी (पी.जी.डी.आर.पी.) और एडवांस्ड डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडैंस एंड काऊंसलिंग (ए.डी.सी.जी.सी.) में रिक्त सीटों के लिए मंगलवार 29 अगस्त को ओपन फिजिकल काऊंसलिंग का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध इन रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को प्रवेश के अधिकतम अवसर प्रदान करने हेतु फिजिकल काऊंसलिंग आयोजित की जा रही है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि ये दोनों डिप्लोमा कार्यक्रम आरसीआई-अनुमोदित हैं और ये कार्यक्रम विशेष रूप से विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल और ज्ञान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं। साथ ही इनमें रोजगार की भी आपार संभावनाएं मौजूद हैं।

कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रैंस टैस्ट (सीयूईटी) 2023 के नोडल अधिकारी प्रो. फूल सिंह ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रमों के लिए ओपन फिजिकल काऊंसलिंग 29 अगस्त, 2023 को आयोजित की जाएगी। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने कहा कि ओपन फिजिकल काऊंसलिंग के लिए छात्रों को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच मूल दस्तावेजों के साथ एक सैट फोटोकॉपी के साथ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में रिपोर्ट करना होगा।

उन्होंने बताया कि ओपन काऊंसलिंग का शैड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण और अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर भी उपलब्ध है।

जीवन का ऐतिहासिक पल

प्रत्येक भारतवासी इस ऐतिहासिक पल का इंतजार कर रहा था। जब चंद्रयान 3 चांद की सतह पर अपना पहला कदम रखा वह क्षण हमारे लिए जीवन का एक ऐतिहासिक पल था। विश्वविद्यालय परिवार इस मिशन की सफलता की कामना करता है। – प्रो. टंकेश्वर कुमार कुलपति हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।

गेहूं से एलर्जी वालों के लिए संजीवनी है शहतूत-ज्वार की ब्रेड

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ग्लूटेन मुक्त ब्रेड को केंद्र सरकार का मिला पेटेंट

प्रदीप शर्मा

महेंद्रगढ़। गेहूं के आटे से बनी चीजों से एलर्जी होना आजकल आम बीमारी बनती जा रही है। ऐसे लोगों के लिए खाने वाली चीजों का इंतजाम करना चुनौती होता है। लेकिन, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के शोधकर्ताओं ने शहतूत और ज्वार से ऐसी फोर्टिफाइड ब्रेड बनाई है जो ग्लूटेन मुक्त है। यह गेहूं से एलर्जी वाले मरीजों के लिए स्वाद और सेहत का खजाना साबित होगी।

हकेंवि की बनाई इस ब्रेड को केंद्र सरकार का पेटेंट भी मिल गया है। इस ब्रेड में प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध हैं। इसलिए यह कैंसर और हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) के मरीजों के लिए भी उपयोगी है। यह ब्लड ग्लूकोज और कोलेस्ट्रोल को नियंत्रण रखने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक साबित होगी। जल्द ही यह ब्रेड बाजार में उपलब्ध होगी। हकेंवि के पोषण जीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सविता बुधवार, भौतिक व खगोल भौतिकी विभाग के आचार्य सुनील कुमार और शोधार्थी मनाली चक्रवर्ती ने यह बहुत ही उपयोगी उत्पाद तैयार किया है। संवाद

केंद्र से पेटेंट मिलने पर खुशी जतातीं डॉ. सविता (दाएं)।

डॉ. सविता बुधवार और उनकी टीम का यह नवाचार परिष्कृत गेहूं के आटे से बनी उच्च कैलोरी वाली ब्रेड की खपत को कम करने में सहायक साबित होगा। ब्रेड कम फाइबर और बायो एक्टिव पदार्थों के साथ सबसे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में से एक है। इसलिए यह ब्रेड बहुत उपयोगी साबित होगी।

-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

बच्चों में गेहूं से एलर्जी की ज्यादा समस्या

हकेंवि की सहायक आचार्य डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि गेहूं से बने उत्पाद से होने वाली एलर्जी के काफी मरीज सामने आ रहे हैं। यह एलर्जी बच्चों में अधिक पायी जा रही है। इससे बच्चों में शारीरिक वृद्धि नहीं हो पाती है और बच्चा दुबला-पतला हो जाता है। इसको ध्यान में रखकर शहतूत और ज्वार से यह खास ब्रेड बनाई है। आमतौर पर सफेद और ब्राउन ब्रेड में ग्लूटेन होता है जो गेहूं से होने वाली एलर्जी के मरीजों के लिए ठीक नहीं होता है। यह ब्रेड ग्लूटेन मुक्त है।

कैंसर-हाइपरटेंशन के मरीजों के लिए इसलिए है उपयोगी

डॉ. सविता ने बताया कि शहतूत एक मेडिसिनल प्लांट है। ये पौधे कम होते जा रहे हैं, जबकि इनकी उपयोगिता बहुत अधिक है। शहतूत में पोटेशियम, फ्लेवोनायॅइड्स, कैल्शियम जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। इनमें कैंसर रोधी गुण हैं, जो बीमारी से बचाते हैं। ज्वार में पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड, विटामिन, आवश्यक अमीनो एसिड, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे खनिज होते हैं। शहतूत के अंशों को ज्वार में मिलाकर उक्त ब्रेड बनाई गई है।

हकेवि में राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

'यह दिवस उन खिलाड़ियों को समर्पित है जिन्होंने खेलों से देश का गौरव बढ़ाया है' प्रो. टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में राष्ट्रीय खेल दिवस 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस खेल परंपराओं का सम्मान और उनके प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिवस उन खिलाड़ियों को भी समर्पित है जिन्होंने खेल के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाया।

विशेषज्ञ व्याख्यान में एथलेटिक्स, भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली के हाई परफॉरमेशन डायरेक्टर उच्च प्रदर्शन निदेशक डॉ. वजीर सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. वजीर सिंह ने खेलों में प्रतिभा की पहचान के महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए सही उम्र पर जोर दिया। व्याख्यान के बाद प्रश्न-उत्तर सत्र का भी

आयोजन किया गया। इससे पूर्व में विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रो. रविंदर पाल अहलवत ने दिया और उनका स्वागत प्रो. जेपी भूकर ने किया। आयोजन के दौरान मंच का संचालन डॉ. कुमार पी. ने किया। व्याख्यान में बॉयोकेमेस्ट्री विभाग के प्रो. बिजेंद्र सिंह, विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. संदीप ढुल, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डॉ. पंकज, डॉ. स्वाति चौधरी, डॉ. गजेंद्र सिंह, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के डॉ. अमित कुमार सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो. जय प्रकाश भूकर ने किया।

हकेवि में हुआ सीधा प्रसारण

महेंद्रगढ़ | हकेवि में चंद्रयान 3 की चंद्रमा की लैंडिंग का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जब चंद्रयान 3 चांद की सतह पर अपना पहला कदम रखा वह क्षण हमारे लिए जीवन का एक ऐतिहासिक पल था। हम सभी उसी पल के साक्षी बने । विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा मिनी ऑडिटोरियम, शैक्षणिक खंड एक में आयोजित इस कार्यक्रम में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में खेल दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान देते डा. वजीर सिंह • सौ. प्रवक्ता

- टंकेश्वर ने कहा, राष्ट्रीय खेल दिवस खेल परंपराओं का सम्मान
- खेलों में प्रतिभा की पहचान के महत्व पर व्याख्यान दिया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस खेल परंपराओं का सम्मान और उनके प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिवस उन खिलाड़ियों को भी समर्पित है जिन्होंने खेल के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाया। विशेषज्ञ व्याख्यान में एथलेटिक्स, भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली के हाई परफोरमेशन डायरेक्टर उच्च प्रदर्शन निदेशक डा. वज़ीर सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डा. वजीर सिंह ने खेलों में प्रतिभा की पहचान के महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए सही उम्र पर जोर दिया। व्याख्यान के बाद प्रश्न-उत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। इससे पूर्व में विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रो. रविंदर पाल अहलावत ने दिया और उनका स्वागत प्रो. जेपी भूकर ने किया। आयोजन के दौरान मंच का संचालन डा. कुमार पी ने किया। व्याख्यान में बायोकेमेस्ट्री विभाग के प्रो. बिजेंद्र सिंह, विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डा. संदीप ढुल, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डा. पंकज, डा. स्वाति चौधरी, डा. गजेंद्र सिंह, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के डा. अमित कुमार सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में राष्ट्रीय खेल दिवस पर व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 23 अगस्त (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय खेल दिवस 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार 23 अगस्त को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस खेल परंपराओं का सम्मान और उनके प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिवस उन खिलाड़ियों को भी समर्पित है जिन्होंने खेल के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाया। विशेषज्ञ व्याख्यान में एथलेटिक्स, भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली के हाई परफोरमेंशन डायरेक्टर उच्च प्रदर्शन निदेशक डॉ. वजीर सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. वजीर सिंह ने खेलों में प्रतिभा की पहचान के महत्व पर व्याख्यान दिया।

दैनिक ट्रिब्यून Th ht

हकेंवि में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 23 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय खेल दिवस 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस खेल परंपराओं का सम्मान और उनके प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिवस उन खिलाड़ियों को भी समर्पित है जिन्होंने खेल के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाया।

विशेषज्ञ व्याख्यान में एथलेटिक्स, भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली के हाई परफोरमेशन डायरैक्टर उच्च प्रदर्शन निदेशक डॉ. वजीर सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. वजीर सिंह ने खेलों में प्रतिभा की पहचान के महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए सही उम्र पर जोर दिया।

व्याख्यान के बाद प्रश्न-उत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। इससे पूर्व में विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रो. रविंद्र पाल अहलवत ने दिया और उनका स्वागत प्रो. जे.पी. भूकर ने किया। आयोजन के दौरान मंच का संचालन डॉ. कुमार पी. ने किया।

व्याख्यान में बायोकैमेस्ट्री विभाग के प्रो. बिजेंद्र सिंह, विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. संदीप ढुल, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डॉ. पंकज, डॉ. स्वाति चौधरी, डॉ. गजेंद्र सिंह, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के डॉ. अमित कुमार सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो. जय प्रकाश भूकर ने किया।

हकेंवि में हुआ चंद्रयान-3 की लैंडिंग का सीधा प्रसारण

महेंद्रगढ़(परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में चंद्रयान-3 की चंद्रमा की लैंडिंग का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक भारतवासी इस ऐतिहासिक पल का इंतजार कर रहा था। जब चंद्रयान 3 चांद की सतह पर अपना पहला कदम रखा, वह क्षण हमारे लिए जीवन का एक ऐतिहासिक पल था।

चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग का जश्न मनाते प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

हम सभी उसी पल के साक्षी बने और चंद्रयान 3 मिशन का सीधा प्रसारण देखा। विश्वविद्यालय परिवार इस मिशन की सफलता की कामना करता है।

विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा मिनी ऑडिटोरियम, शैक्षणिक खंड एक में आयोजित इस कार्यक्रम में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में दाखिले के लिए ओपन काउंसिलिंग 31 को

कुलपति बोले- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसिलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2023 के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में काउंसिलिंग के बाद उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन/फिजिकल काउंसिलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अगस्त को ओपन काउंसिलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेड्यूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। हकेंवि में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसिलिंग का शेड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तावेजों के साथ ओपन काउंसिलिंग के लिए आना है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दाखिले की अंतिम तिथि 31 अगस्त

महेंद्रगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ऑन द स्पॉट दाखिला प्रक्रिया की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है। महेंद्रगढ़, सतनाली, मालड़ा, सेहलंग में रिक्त सीट पर दाखिला किया जा रहा है। महेंद्रगढ़ आईटीआई में 644 सीट में 85 रिक्त हैं। सतनाली आईटीआई में 172 सीट में 15 सीटें रिक्त हैं। मालड़ा आईटीआई 220 सीटों में 45 रिक्त हैं। दाखिला नोडल अधिकारी करतार सिंह ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रिक्त सीटों को लेकर ऑन द स्पॉट दाखिला प्रक्रिया की अंतिम तिथि 25 अगस्त से बढ़ाकर 31 अगस्त तक कर दी गई है। नए विद्यार्थी भी ऑन द स्पॉट दाखिला प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं। जो विद्यार्थी पहले चार राउंड में दाखिला लेने से वंचित रह गए थे, वे भी दाखिला प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं। संवाद

आईटीआई में दाखिला प्रक्रिया में लिस्ट की जांच करते विद्यार्थी। स्रोत : संस्थान

हकेवि में स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए ओपन काउंसिलिंग 31 को

महेंद्रगढ़ | हकेवि में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसिलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2023 के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में काउंसिलिंग के बाद उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन/फिजिकल काउंसिलिंग 31 अगस्त को होगी। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसिलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेड्यूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। ओपन काउंसलिंग का शेडयूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हकेंवि में दाखिले का एक और अवसर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2023 के नोडल आफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में काउंसलिंग के बाद उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन/फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अगस्त को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ● जागरण

उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेडयूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। ताकि छात्रों को दाखिला मिल सके।

डा. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शेड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

केंद्रीय विवि में दाखिले का एक और अवसर

- स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए ओपन काउंसलिंग 31 अगस्त को

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सवांर्गीण विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2023 के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में काउंसलिंग के बाद उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन/फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अगस्त को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेड्यूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शिडयूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

Open counseling for UG, PG and integrated programs on August 31 at CUH

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Open counseling is being organized on 31 August, 2023 for vacant seats in various Undergraduate (UG), Postgraduate (PG) and Integrated programs for the Academic Session 2023-24 at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor wished the students a bright future and said that the University is striving for the all-round development of the students as per the new National Education Policy. Dr. Phool Singh, the Nodal Officer, Common University Entrance Test (CUET)-2023 informed that open/physical counseling is being organized for admission to vacant seats available after counseling in various undergraduate, postgraduate and integrated programs in the University. He said that open counseling is being organized on August 31 for admission to undergraduate, integrated and postgraduate programmes. He said that it is mandatory for the students to appear in the concerned department of the University as per the given schedule for open counseling. He informed that the priority will be given to the candidates who have registered for admission in Central University of Haryana. Dr. Phool Singh said that the schedule of open counselling, details of vacant seats and other detailed information are available on the university's website. Students have to come for open counseling with their original documents.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले का एक और अवसर

महेंद्रगढ़, 24 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काऊंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी) 2023 के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में काउंसलिंग के बाद उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन/फिजिकल काऊंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अगस्त को ओपन काऊंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

'अध्ययन-अध्यापन के साथ खेलों में भी प्रतिभागिता जरूरी'

हकेंवि की वॉलीबाल टीम के सदस्य और आयोजक। स्रोत : विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 21 से 29 अगस्त तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक व मानसिक विकास में मददगार साबित होते हैं।

साथ ही आपसी मेलजोल को बढ़ाने में भी खेल की महत्तवपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए हमें अध्ययन-अध्यापन के साथ खेलों में भी प्रतिभागिता करनी चाहिए। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग आयोजित इन प्रतियोगिताओं की श्रृंखला के पहले दिन पहले दिन शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के बीच मैत्रीपूर्ण वॉलीबाल मैच का आयोजन किया गया।

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के शोधार्थियों ने मैच के दौरान स्थानापन्न कर्त्तव्यों का पालन किया। विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने मैच का औपचारिक उद्घाटन किया।

मैच में शैक्षणिक टीम की ओर से मौलिक विज्ञान पीठ के प्रो. विनोद कुमार, शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल, गणित विभाग के प्रो. फूल सिंह, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. एके यादव, डॉ. शाहजहां, शारीरिक शिक्षा विभाग से प्रो. जय प्रकाश भूकर, रसायन विज्ञान विभाग से प्रो. हरीश कुमार, हिंदी विभाग के डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के डॉ. विकास सिवाच ने तथा गैर शैक्षणिक टीम की ओर से एक्सईएन अमरजीत सिंह, शैलेंद्र सिंह, नरेश कुमार, संजीव कुमार, प्रदीप जाखड़, अमित श्योराण, दिनेश सिंह उपस्थित रहे। रोमांचक मुकाबले में शैक्षणिक टीम से 2-1 जीत दर्ज की।

एसएन बोस स्टेट लेवल विज्ञान स्पर्धा में हकेंवि की टीम प्रथम

महेंद्रगढ़। आरपीएस कॉलेज बलाना में विज्ञान आधारित एसएन बोस स्टेट लेवल विज्ञान प्रतियोगिता में आसपास के 13 महाविद्यालयों की प्रतिभाओं ने अपना जज्बा दिखाया। इस मौके पर केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली की टीम प्रथम रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव रही। विशिष्ट अतिथि कॉलेज निदेशक डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ. देवेंद्र कादयान ने की। अतिथियों का स्वागत कॉलेज डीन डॉ. यशपाल शर्मा ने किया।

कार्यक्रम संयोजक सोमबीर ने बताया कि इस विशेष राज्यस्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता में जाने-माने 13 संस्थाओं के प्रतियोगियों ने शिरकत की। सबसे पहले सभी टीमों का स्क्रिनिंग हुआ, जिसमें टॉप 6 टीमों का चयन हुआ।

कार्यक्रम सह-संयोजक मंजीत कुमार ने बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली की टीम प्रथम, आरपीएस डिग्री कॉलेज की टीम द्वितीय व शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज नांगल चौधरी तृतीय स्थान पर रही। प्रथम स्थान टीम बलराम, रोहित, गर्दिश को 2100 रुपये का पुरस्कार, द्वितीय टीम निखिल यादव, प्रियंका, प्रीति को 1500 रुपये व तृतीय स्थान टीम हितेष, चिराग, धीरज को 1100 रुपये के पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के साथ पौधे भी भेंट किए गए। संवाद

वालीबॉल में शैक्षणिक टीम 2-1 से विजेता

महेंद्रगढ़| हकेंवि, महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 21 से 29 अगस्त तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खेल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक व मानसिक विकास में मददगार साबित होते हैं। मेलजोल बढ़ाने में भी खेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए हमें अध्ययन-अध्यापन के साथ खेलों में भी प्रतिभागिता करनी चाहिए। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग आयोजित इन प्रतियोगिताओं की श्रृंखला के पहले दिन शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के बीच मैत्रीपूर्ण वालीबॉल मैच का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के शोधार्थियों ने मैच के दौरान स्थानापन्न कर्तव्यों का पालन किया। विवि की स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष प्रो. रविंदर पाल अहलावत ने मैच का औपचारिक उद्घाटन किया। रोमांचक मुकाबले में शैक्षणिक टीम ने 2-1 जीत दर्ज की। इस मौके पर मौलिक विज्ञान पीठ के प्रो. विनोद कुमार, शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार व प्रो. दिनेश चहल, गणित विभाग के प्रो. फूल सिंह, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. ए.के. यादव आदि मौजूद रहे।

स्पर्धा में 13 महाविद्यालयों की प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया, केंविवि जाट पाली की टीम रही प्रथम

महेंद्रगढ़ | आरपीएस कॉलेज बलाना में विज्ञान आधारित एसएन बोस स्टेट लेवल विज्ञान प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में 13 महाविद्यालयों की प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव रही। विशिष्ट अतिथि कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ देवेन्द्र यादव व कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्रिंसिपल डॉ देवेन्द्र कादयान ने की तथा सभी अतिथियों का स्वागत कॉलेज डीन डॉ यशपाल शर्मा ने किया। कार्यक्रम संयोजक सोमबीर ने बताया कि इस विशेष राज्य स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता में 13 संस्थाओं के प्रतियोगियों ने शिरकत की। सबसे पहले सभी टीमों का स्क्रीनिंग हुआ। जिसमें टॉप 6 टीमों का चयन हुआ। इस क्विज प्रतियोगिता में 4 चरण रखे गए। कार्यक्रम सह-संयोजक मंजीत कुमार ने बताया कि प्रत्येक चरण में टीमें आगे-पीछे होती रहीं, अंत में केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली की टीम प्रथम, आरपीएस डिग्री कॉलेज की टीम द्वितीय व शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज नांगल चौधरी तृतीय स्थान पर रही। प्रथम स्थान पर रहने वाली टीम बलराम, रोहित, गर्दिश को 2100 रुपए का नकद पुरस्कार, द्वितीय टीम निखिल यादव, प्रियंका व प्रीति को 1500 रुपए व तृतीय स्थान टीम हितेष, चिराग, धीरज को 1100 रुपए के नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के साथ पौधे भी भेंट किए गए।

वालीबाल में शैक्षणिक वर्ग की टीम ने बाजी मारी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 21 से 29 अगस्त तक खेल प्रतियोगिताएं हो रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक व मानसिक विकास में मददगार साबित होते हैं।

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग आयोजित इन प्रतियोगिताओं की श्रृंखला के पहले दिन पहले दिन शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के बीच मैत्रीपूर्ण वालीबाल मैच हुआ। विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने मैच का उद्घाटन किया। मैच में शैक्षणिक टीम की ओर से मौलिक विज्ञान पीठ के प्रो. विनोद, शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार व प्रो. दिनेश चहल, गणित विभाग के प्रो. फूल सिंह, प्रो. राजेश गुप्ता, प्रो. एके यादव व डा. शाहजहां शारीरिक शिक्षा विभाग से प्रो. जय प्रकाश भूकर, रसायन विज्ञान विभाग से प्रो. हरीश कुमार, हिंदी विभाग के डा. सिद्धार्थ शंकर राय, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के डा. विकास सिवाच ने तथा गैर शैक्षणिक टीम की ओर से एक्सईएन अमरजीत सिंह, शैलेंद्र सिंह, नरेश, संजीव कुमार, प्रदीप जाखड, अमित श्योराण, दिनेश सिंह चौहान, रामवीर गुर्जर, संदीप डागर आदि उपस्थित रहे। रोमांचक मुकाबले में शैक्षणिक टीम ने 2-1 जीत दर्ज की।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में में आयोजित वालीबाल प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करते प्रतिभागी ● सौ. प्रवक्ता

जिला स्तरीय कराटे और ताइक्वांडो प्रतियोगिता आज

जासं, नारनौल: जिला सतरीय तीन दिवसीय कराटे व ताइक्वांडो खेलकूद प्रतियोगिता राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तिगरा में 26 अगस्त से प्रारंभ होगी। स्कूल के प्राचार्य यशपाल यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता 29 अगस्त तक चलेगी। पहले यह प्रतियोगिता डीएवी पुलिस स्कूल नारनौल में आयोजित होनी थी। अब इस प्रतियोगिता का स्थान बदल कर तिगरा स्कूल में कर दिया गया। जिले के सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को अपने प्रशिक्षकों के साथ समय पर पहुंचने का आह्वान किया।

खंडस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आज

संवाद सहयोगी, कनीना: राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करीरा में खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ 26 अगस्त को किया जाएगा। इसमें अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी सुनीत दत्त यादव होंगे। कार्यक्रम में एइओ नारनौल रमेश यादव, सरपंच करीरा सपना यादव, प्राचार्य करीरा रामस्वरूप होंगे वहीं संयोजक राकेश कुमार होंगे। खेल संयोजक राकेश यादव ने बताया कि 26 अगस्त व 27 अगस्त को लड़कों की तथा 28 अगस्त एवं 29 अगस्त को लड़कियों की प्रतियोगिता होगी जिसमें कबड्डी, बालीवाल, खो-खो, कबड्डी, बास्केटबाल आदि का आयोजन किया जाएगा। खेल कूद प्रतियोगिता में अंडर-14 आयु वर्ग, अंडर-17 आयु वर्ग तथा अंडर 19 में आयोजित होंगी। खेलों के लिए खिलाडियों को स्कूल ध्वज के करीरा पहुंचना होगा।

हकेंवि में खेल प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 21 से 29 अगस्त तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खेल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजको को कहा कि खेल न केवल शारीरिक व मानसिक विकास में मददगार साबित होते हैं। साथ ही आपसी मेलजोल को बढ़ाने में भी खेल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए हमें अध्ययन-अध्यापन के साथ खेलों में भी प्रतिभागिता करनी चाहिए। शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग आयोजित इन प्रतियोगिताओं की श्रृंखला के पहले दिन पहले दिन शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के बीच मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हकेंवि में करवाईं खेल प्रतियोगिताएं

महेंद्रगढ़, 25 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 21 से 29 अगस्त तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खेल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक व मानसिक विकास में मददगार साबित होते हैं, साथ ही आपसी मेलजोल को बढ़ाने में भी खेल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए हमें अध्ययन-अध्यापन के साथ खेलों में भी प्रतिभागिता करनी चाहिए।

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग आयोजित इन प्रतियोगिताओं की शृंखला के पहले दिन शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के बीच मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के शोधार्थियों ने मैच के दौरान स्थानापन्न कर्त्तव्यों का पालन किया। विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स काऊंसिल के अध्यक्ष प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने मैच का औपचारिक उद्घाटन किया।

शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक वालीबॉल टीम के सदस्य एवं आयोजक।

मैच में शैक्षणिक टीम की ओर से मौलिक विज्ञान पीठ के प्रो. विनोद कुमार, शिक्षा पीठ के प्रो. प्रमोद कुमार व प्रो. दिनेश चहल, गणित विभाग के प्रो. फूल सिंह, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. ए.के. यादव व डॉ. शाहजहां, शारीरिक शिक्षा विभाग से प्रो. जय प्रकाश भूकर, रसायन विज्ञान विभाग से प्रो. हरीश कुमार, हिंदी विभाग के डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के डॉ. विकास सिवाच ने तथा गैर शैक्षणिक टीम की ओर से एक्स.ई.एन. अमरजीत सिंह, शैलेंद्र सिंह, नरेश कुमार, संजीव कुमार, प्रदीप जाखड, अमित श्योराण, दिनेश सिंह चौहान, रामवीर गुर्जर, संदीप डागर आदि उपस्थित रहे। रोमांचक मुकाबले में शैक्षणिक टीम से 2-1 जीत दर्ज की।

'आने वाली पीढ़ियों के लिए साहित्य उपयोगी'

संवाद न्यूज एजेंसी

हकेंवि में लोगों को संबोधित करते स्वामी समर्पणानंद। स्रोत : विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में 28 अगस्त से 2 सितंबर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की ओर से सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि स्वामी समर्पणानंद ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की तथा संस्कृत ग्रंथों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्त्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढ़ने के लिए विशेष आग्रह किया। इसके पश्चात कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुंबकम् की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचैली ने संस्कृत संभाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस संबंध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया ।

संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की

हकेवि में संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ पर संबोधित करते स्वामी समर्पणानन्द।

महेंद्रगढ़ | हकेवि में संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानन्द मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

स्वामी समर्पणानन्द ने संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की तथा संस्कृत ग्रन्थों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्त्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढ़ने का विशेष आग्रह किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम् की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचौली ने संस्कृत सम्भाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस सम्बन्ध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुमन रानी ने बताया कि 2 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुई संस्कृत सप्ताह की शुरूआत

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में 28 अगस्त से 2 सितंबर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को

संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएँ देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानन्द मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि स्वामी समर्पणानन्द जी ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की तथा संस्कृत ग्रन्थों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्त्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढने के लिए विशेष आग्रह किया। इसके पश्चात कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम् की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख श्री अशोक बुचौली ने संस्कृत सम्भाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस सम्बन्ध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया ।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुमन रानी ने बताया कि 2 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा भूमिका राजपुरोहित एवं शिक्षिका अर्चना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों रेखा, रितु, तन्नू, सपना, दीपक, नयानिका, पूजा, रितिका एवं हिमांशा ने शास्त्रीय नृत्य व गीत-गायन आदि प्रस्तुतियां दी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह शुरू

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में 28 अगस्त से दो सितंबर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते स्वामी समर्पणानंद ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि स्वामी समर्पणानंद ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परीलक्षित की तथा संस्कृत ग्रन्थों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्त्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढ़ने के लिए विशेष आग्रह किया।

इसके पश्चात कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डा. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख श्री अशोक बुचौली ने संस्कृत संभाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस संबंध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया।

कार्यक्रम की संयोजिका डा. सुमन रानी ने बताया कि दो सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा भूमिका राजपुरोहित एवं शिक्षिका अर्चना द्वारा किया गया।

हकेंवि में संस्कृत सप्ताह शुरू

महेंद्रगढ़, 28 अगस्त (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 28 अगस्त से 2 सितंबर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएँ देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानन्द मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वामी समर्पणानन्द जी ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाया। इसके पश्चात् कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना को समझाया। तत्पश्चात सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचौली ने संस्कृत सम्भाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुमन रानी ने बताया कि 2 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा भूमिका राजपुरोहित एवं शिक्षिका अर्चना द्वारा किया गया।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 29 August 2023
https://epaper.dainiktribun

संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञानवर्धकः प्रो. टंकेश्वर

■ हकेंवि में संस्कृत सप्ताह की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 28 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 28 अगस्त से 2 सितम्बर तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा सोमवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभाग को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत भाषा में निहित विपुल वैज्ञानिक साहित्य को आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत सप्ताह के आयोजन हेतु समस्त विभाग को संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्वामी समर्पणानन्द मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि स्वामी समर्पणानन्द ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा से होने वाले लाभों से अवगत करवाते हुए संस्कृत व्याकरण की वैज्ञानिकता परिलक्षित की तथा संस्कृत ग्रंथों में प्राप्त आचरण-शिक्षा का महत्व बताते हुए श्रोताओं को संस्कृत पढ़ने के लिए विशेष आग्रह किया।

हकेंवि में संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते स्वामी समर्पणानन्द।

गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को करवाया अवगत

इसके पश्चात कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने वसुधैव कुटुम्बकम् की परिकल्पना को समझाते हुए वर्तमान में गीता व आयुर्वेद की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत भारती के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचौली ने संस्कृत सम्भाषण के लिए सभी को प्रोत्साहित किया एवं इस सम्बन्ध में होने वाले आयोजनों से भी अवगत करवाया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुमन रानी ने बताया कि 2 सितम्बर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की छात्रा भूमिका राजपुरोहित एवं शिक्षिका अर्चना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों रेखा, रितु, तन्नू, सपना, दीपक, नयानिका, पूजा, रितिका एवं हिमांशा ने शास्त्रीय नृत्य व गीत-गायन आदि प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नए भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मंगलवार को युवा संवाद भारत एक्ट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। बीएमडी फाउंडेशन नेहरू युवा केंद्र नारनौल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और आजादी के अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी को विशेष प्रयास करने होंगे। भारत विकसित हो और आत्मनिर्भर हो इस सपने को साकार करने के लिए युवाओं को सही दिशा में आगे बढ़ना होगा। संवाद

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए उत्तर भारत के छह शिक्षण संस्थान एकजुट

बैठक में प्रतिभागिता करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत: हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए आईआईटी, रोपड़, पंजाब केंद्रीय विवि, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विवि, राजस्थान केंद्रीय विवि , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तीन वर्ष पूर्ण होने पर दिल्ली में शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में हुए समझौता ज्ञापन के तहत एकजुट हुए इन संस्थानों ने जमीनी स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है।

इसके लिए सभी सहयोगी संस्थानों के बीच पहली बैठक पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा में सम्पन्न हुई। इसमें हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य करने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में सभी संस्थानों के शिक्षकों को विशेष रूप से इस सांझेदारी के उद्देश्यों से अवगत कराने पर जोर दिया।

बीएमडी फाउंडेशन नेहरू युवा केंद्र नारनौल व हकेवि के सहयोग से हुआ कार्यक्रम

'आज जिस तरह की संभावनाएं देश में उपलब्ध हैं वो भारत को विश्व पटल पर पहचान दिलाने के लिए बेहद उपयोगी'

महेंद्रगढ़ | हकेवि में मंगलवार युवा संवादः भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। बीएमडी फाउंडेशन नेहरू युवा केंद्र नारनौल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयासों से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, मुख्य वक्ता मुकेश वशिष्ठ, मीडिया कॉर्डिनेटर, मुख्यमंत्री हरियाणा व विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकुमार सैनी सम्मिलित हुए।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। आयोजन में सम्मिलित विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और आजादी के अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने हेतु युवा पीढ़ी को विशेष प्रयास करने होंगे। कुलपति ने कहा कि भारत विकसित हो और आत्मनिर्भर हो इस सपने को साकार करने के लिए युवाओं को सही दिशा में आगे बढ़ना होगा।

मुख्य वक्ता मुकेश वशिष्ठ ने युवा पीढ़ी और उसके समक्ष चुनौतियों व अवसरों का उल्लेख करते हुए विस्तार से भारत निर्माण में उनके

सेमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

योगदान की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह की संभावनाएं देश में उपलब्ध हैं वह भारत को विश्व पटल पर पहचान दिलाने हेतु बेहद उपयोगी हैं। युवा पीढ़ी इन संभावनाओं को अधिकतम उपयोग कर भारत के विकास में योगदान दें। विशिष्ट अतिथि राजकुमार सैनी, नेहरू युवा केंद्र जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। आयोजन में बीएमडी फाउंडेशन के लक्की सीगड़ा, इंद्रजीत शर्मा व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में मंच का संचालन डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन इंद्रजीत शर्मा ने प्रस्तुत किया।

नए भारत के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका: कुलपति

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को युवा संवाद- भारत एट 2047 विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया। बीएमडी फाउंडेशन नेहरु युवा केंद्र नारनौल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, मुख्य वक्ता के रूप में मुकेश वशिष्ठ मीडिया कोर्डिनेटर मुख्यमंत्री हरियाणा व विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकुमार सैनी सम्मिलित हुए।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। इसके पश्चात छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत करते हुए मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का स्वागत किया और उनके प्रति आभार जताया। आयोजन में सम्मिलित विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और आजादी के अमृत काल की परिकल्पना को साकार करने हेतु युवा पीढ़ी को विशेष प्रयास करने होंगे।

हकेवि में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

भारत विकसित हो और आत्मनिर्भर हो इस सपने को साकार करने के लिए युवाओं को सही दिशा में आगे बढ़ना होगा। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने जिस तरह से वैक्सीन निर्माण का कार्य किया वह दर्शाता है कि हम सही राह पर अग्रसर है। चंद्रयान-3 की सफलता ने समूचे विश्व के समक्ष भारत के इरादों को जाहिर किया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मुकेश वशिष्ठ ने अपने संबोधन में युवा पीढ़ी और उसके समक्ष चुनौतियों व अवसरों का उल्लेख करते हुए विस्तार से भारत निर्माण में उनके योगदान की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह की संभावनाएं देश में उपलब्ध हैं वह भारत को विश्व पटल पर पहचान दिलाने हेतु बेहद उपयोगी हैं। युवा पीढ़ी इन संभावनाओं को अधिकतम उपयोग कर भारत के विकास में योगदान दें। आयोजन में विशिष्ट अतिथि राजकुमार सैनी, नेहरू युवा केंद्र जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्रेष्ठ भारत के निर्माण हेतु उन्हें जागरूक किया। आयोजन में बीएमडी फाउंडेशन के लक्की सिगड़ा, इंद्रजीत शर्मा व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील की भी उपस्थिति रही।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिजिकल काउंसिलिंग आज

स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए होगी काउंसिलिंग

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन फिजिकल काउंसिलिंग का आयोजन 31 अगस्त को होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2023 के नोडल

हकेंवि महेंद्रगढ़ । स्रोत : हकेंवि

ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में काउंसलिंग के बाद उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन फिजिकल काउंसिलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसिलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेड्यूल के अनुसार सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसिलिंग का शेड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों व एक सेट प्रतिलिपि के साथ ओपन काउंसिलिंग के लिए आना है।

पोषक अनाज के प्रति जागरूकता का आह्वान

हकेंवि में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और मैराथन रैली का आयोजन

प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों के साथ कुलपति। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रमों की शृंखला में पोस्टर बनाने प्रतियोगिता व मैराथन रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया और मानव स्वास्थ्य में पोषक अनाज के योगदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रैली को हरी झंडी दिखाई

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अवश्य ही मददगार होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है। इससे मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी। इसके तहत पोषक अनाज के प्रति जागरूकता हेतु पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व मैराथन रैली का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में खेल सप्ताह का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक चले आयोजन का बुधवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान, दौड़, बैडमिंटन, वालीबॉल, रस्साकशी व दौड़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों व बच्चों ने भी उत्साह के साथ प्रतिभागिता की। समापन समारोह में अर्जुन पुरस्कार विजेता राजकुमार सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ओपन/फिजिकल काउंसिलिंग आज

स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए होगी काउंसिलिंग

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन/फिजिकल काउंसिलिंग का आयोजन आज 31 अगस्त को किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और ओपन काउंसिलिंग के माध्यम से अधिक अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन का अवसर मिल सकेगा। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2023 के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में काउंसलिंग के बाद उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन/फिजिकल काउंसिलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अगस्त को ओपन काउंसिलिंग का आयोजन किया जा रहा है। ओपन काउंसिलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शैड्यूल के अनुसार प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना अनिवार्य है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शैड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तावेजों व एक सेट प्रतिलिपि के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

सीड एग्जाम के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

भिवानी | सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन ने सिम्बायोसिस प्रवेश परीक्षा फॉर डिजाइन एग्जाम की डेट जारी कर दी है। बीडीएस एंट्रेंस एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस ऑफिशियल वेबसाइट sid.edu.in पर जारी किया गया है। शेड्यूल के अनुसार सात जनवरी को सीड परीक्षा होगी। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख को 10 दिन बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया गया है। आवेदन के लिए सीड की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं। होम पेज पर बीडीईएस रजिस्ट्रेशन शुरू लिंक पर जाएं। इसके बाद न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक कर डिटेल दर्ज कर दें। बीडीईएस आईडी व पासवर्ड जनरेट करें और लॉगइन करें। प्रक्रिया में आगे बढ़ते हुए सीड 2024 आवेदन पत्र दिखाई देगा। अंत में सभी डिटेल्स दर्ज करके फार्म सबमिट कर दें।

जानिए ये भी: एजुकेशनल क्वालि फिकेशन में 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है। सरकार द्वारा अनुमोदित डिप्लोमा में 50% और एससी, एसटी के लिए 45% मार्क्स जरूरी हैं। एप्लीकेशन फीस के रूप में 1,700 रुपये राशि जमा करवानी होगी।

हकेवि में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता के लिए हुआ कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व मैराथन रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया और मानव स्वास्थ्य में पोषक अनाज के योगदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अवश्य ही मददगार होंगे। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में खेल सप्ताह का हुआ समापन

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में इंवेट रस्साकसी, बैडमिंटन, वालीबॉल और दौड़ में दिखाया जज्बा, जीते पुरस्कार

रस्साकसी में हाथ आजमाती विश्वविद्यालय की छात्राएं व स्टाफ सदस्य।

विजेता बच्चों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि अर्जुन अवॉर्डी राजकुमार।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक चले आयोजन का बुधवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान, बैडमिंटन, वालीबॉल, रस्साकसी व दौड़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों के साथ उनके अभिभावकों व बच्चों ने भी

उत्साह के साथ प्रतिभागिता की।

समापन समारोह में अर्जुन पुरस्कार विजेता राजकुमार सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय कुलपति ने सप्ताह भर चले इस आयोजन के लिए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि खेलों को हमें अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकुमार सांगवान ने खेलों के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए उन्हें खेलों में भविष्य तलाशने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर सप्ताह भर चली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. स्वाति चौधरी व दीपक ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग आज

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन फिजकल काउंसलिंग का आयोजन 31 अगस्त को किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और ओपन काउंसलिंग के माध्यम से अधिक अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन का अवसर मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2023 के नोडल आफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ● जागरण

काउंसलिंग के बाद उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन/फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक, इंटीग्रेटेड व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अगस्त को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेडयूल के अनुसार सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डा. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शिडयूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों व एक सेट प्रतिलिपि के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

पोषक अनाज के योगदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया : प्रो. टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व मैराथन रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया और मानव स्वास्थ्य में पोषक अनाज के योगदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अवश्य ही मददगार होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है। इससे मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी। इसके तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों व कर्मचारियों में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता हेतु पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व मैराथन रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में ओपन/फिजिकल काउंसलिंग आज

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेन्द्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन/फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन आज 31 अगस्त किया जा रहा है। सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेड्यूल के अनुसार प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों व एक सेट प्रतिलिपि के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

पोषक अनाज के प्रति किया जागरूक

महेंद्रगढ़, 30 अगस्त (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व मैराथन रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रैली को रवाना किया और मानव स्वास्थ्य में पोषक अनाज के योगदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अवश्य ही मददगार होंगे। विश्वविद्यालय में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व मैराथन रैली का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रो. नीलम सांगवान सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।